email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

अंदर पृष्ठ

पृष्ठ -3
अमित शाह ने को कहा कि

पृष्ठ -8
देश के १००० शहरों में

वर्ष:3 अंक:83 कटक मंगलवार 09 अगस्त 2022 मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

देवेंद्र फडणवीस को मिलेगी होम मिनिस्ट्री, महाराष्ट्र में इसी सप्ताह हो सकता है कैबिनेट विस्तार

मुंबई। महाराष्ट्र में 30 जून के बाद से ही टू-मैन सरकार चल रही है। सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ही फिलहाल महाराष्ट्र में अहम फैसले ले रहे हैं। इस बीच चर्चाएं तेज हैं कि कैबिनेट विस्तार का इंतजार इस सप्ताह समाप्त हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि देवेंद्र फडणवीस को होम मिनिस्ट्री मिल सकती है। रविवार को ही दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि कैबिनेट विस्तार इतनी जल्दी हो सकता है कि आप लोगों ने सोचा भी नहीं होगा। उनकी टिप्पणी के बाद से यह कयास लग रहे हैं कि 15 अगस्त तक महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद का गठन हो सकता है। भाजपा के कोटे से चंद्रकांत पाटिल, आशीष शेलार जैसे सीनियर नेताओं को जगह मिलने की चर्चा है। एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस वीकेंड पर दिल्ली में ही थे। एकनाथ शिंदे ने इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की बैठक में भी हिस्सा लिया था। इस मीटिंग में देश भर से कुल 23 मुख्यमंत्री आए थे। इस बीच देवेंद्र फडणवीस ने बताया है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को महाराष्ट्र की बारामती लोकसभा सीट की जिम्मेदारी दी गई है। वह यहां पर भाजपा को मजबूत करने का काम करेंगी। दरअसल इस सीट से शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले सांसद हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा ने अब शरद पवार के गढ़ को तोड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा ने 2024 के आम चुनाव को लेकर कमर कसनी शुरू कर दी है। उसने ऐसी 16 सीटों पर ज्यादा फोकस करने का फैसला लिया है, जहां विपक्ष लगातार जीतता रहा है। इन क्षेत्रों में कई ऐसे इलाके भी हैं, जहां शिवसेना काफी मजबूत रही है। बता दें कि भाजपा ने 9 केंद्रीय मंत्रियों को महाराष्ट्र की 16 लोकसभा सीटों की जिम्मेदारी सौंपी है।

सीएम शिवराज पर कमलनाथ का निशाना, कहा- अगर वह झूठ ना बोले तो उनका खाना हजम नहीं होता है

कमलनाथ ने दावा किया कि आज के मतदाता और 5 से 10 साल पहले के मतदाता में अंतर है। उन्होंने कहा कि मतदाता जिनको वह ज्ञान देने जाते थे, आज उन्हीं को ज्ञान देने के लिए तैयार हैं। इससे पहले तिरंगा यात्रा को लेकर भी कमलनाथ ने जबरदस्त तरीके से भाजपा पर निशाना साधा था।

नई दिल्ली। कमलनाथ ने दावा किया कि आज के मतदाता और 5 से 10 साल पहले के मतदाता में अंतर है। उन्होंने कहा कि मतदाता जिनको वह ज्ञान देने जाते थे, आज उन्हीं को ज्ञान देने के लिए तैयार हैं। इससे पहले तिरंगा यात्रा को लेकर भी कमलनाथ ने जबरदस्त तरीके से भाजपा पर निशाना साधा था।

मध्यप्रदेश में भी फिलहाल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। इन सब के बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमल किया है। कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर भी निशाना साधा है। कमलनाथ ने साफ कहा है कि शिवराज सिंह चौहान के नाटक नौटंकी से आज पूरे प्रदेश में जनता का पेट भर गया है और हर वर्ग उनसे परेशान है।

उन्होंने कृषि क्षेत्र में बदहाली का दावा किया और कहा कि आज पूरे प्रदेश का हाल बेहाल है। उन्होंने कहा कि शिवराज जी को शर्म नहीं आती। अगर वह झूठ ना बोले तो उनका खाना हजम नहीं होता है। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि हम एक लाख में युवाओं को रोजगार देंगे जबकि 17000 पद खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि कौन से ऐसे स्कूल, अस्पताल है जहां पद खाली नहीं है।

कमलनाथ ने दावा किया कि आज के मतदाता और 5 से 10 साल पहले के मतदाता में अंतर है। उन्होंने कहा कि मतदाता जिनको वह ज्ञान देने जाते थे, आज उन्हीं को ज्ञान देने के लिए तैयार हैं। इससे पहले तिरंगा यात्रा को लेकर भी कमलनाथ ने जबरदस्त तरीके से भाजपा पर निशाना साधा था। कमलनाथ ने कहा था कि जिन लोगों का आज़ादी के संघर्ष में कोई योगदान नहीं, जिनके दल में एक भी ऐसा महापुरुष नहीं, जिसने आज़ादी की लड़ाई लड़ी हो। जिनका तिरंगे से कभी प्रेम नहीं रहा, वो आज तिरंगे के सम्मान की बात कर रहे है। उन्होंने कहा कि तिरंगे के सम्मान के नाम पर वो खुद को देशभक्त बताने का प्रयास कर रहे है, उनकी देशभक्ति आज़ादी के संघर्ष में सभी ने देखी है।

कमलनाथ ने आगे कहा था कि आज देश महंगाई, बेरोज़गारी, खाद्य पदार्थों पर लगायी गयी जीएसटी से जूझ रहा है और ये देश का ध्यान मोड़ने में लगे है। जनता इनकी हक़ीक़त समझ चुकी है, वह अब चुप बैठने वाली नहीं है, कांग्रेस के साथ अब वो सड़कों पर आकर इनको जवाब देगी। आपको बता दें कि अगले साल मध्यप्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। यही कारण है कि वह के राजनीति फिलहाल गर्म होती दिखाई देती है। हाल में ही मध्य प्रदेश के पंचायत और नगर निगम के चुनाव में भाजपा को सफलता हाथ ली थी।

मध्यप्रदेश में भी फिलहाल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। इन सब के बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमल किया है। कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर भी निशाना साधा है

खाटू श्याम मंदिर में मची भगदड़ में तीन महिलाओं की मौत, गहलोत ने शोक जताया

सीकर (राजस्थान)। राजस्थान के सीकर जिले में सोमवार तड़के खाटूश्याम मंदिर के बाहर भगदड़ में तीन महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सीकर पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया, ''हादसा तड़के साढ़े चार बजे उस समय हुआ जब मंदिर खुला। मंदिर के बाहर लंबी कतारें थीं और भारी भीड़ में एक कतार में खड़ी 63 वर्षीय महिला नीचे गिर पड़ी। उन्हें दिल की बीमारी थी। उनके पीछे खड़ी दो और महिलाएं भी गिर पड़ीं। भगदड़ में उनकी मौत हो गयी।''

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महिलाओं की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की है। गहलोत ने ट्वीट किया, ''सीकर में खाटूश्याम जी के मंदिर में भगदड़ होने से तीन दर्शनार्थी महिलाओं की मृत्यु बेहद दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। ईश्वर उन्हें यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करें एवं दिवंगतों की आत्मा को शांति प्रदान करें। भगदड़ में घायल हुए श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं'' राष्ट्रदीप ने बताया कि हादसा मंदिर के प्रवेश द्वार से कुछ मीटर की दूरी पर हुआ।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार पवित्र दिन माने जाने वाले 'ग्यारस' के मौके पर खाटू श्याम मंदिर के

बाहर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे। मंदिर रात को बंद रहा और दर्शनार्थियों ने कतारें लगानी शुरू कर दी ताकि मंदिर के खुलते ही वे लोग दर्शन कर सकें। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है ताकि घटना के बारे में और जानकारी जुटायी जा सके।

मानसून फिर एक्टिव, इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून एक बार फिर एक्टिव हो गया है। देश के कई राज्यों में जोरदार बारिश हो रही है। महाराष्ट्र से लेकर कर्नाटक दक्षिण राज्यों में जोरदार बारिश देखने को मिल रही है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के राज्यों में भी बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना जताई है। सोमवार को पंजाब के कई इलाकों में बादल छाए रहने और कुछ जगहों पर हल्की बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार नौ अगस्त तक पंजाब के कुछ जिलों में हल्की वर्षा हो सकती है।

इन राज्यों में आज हो सकती है भारी बारिश -स्काईमेट वेदर के मुताबिक आज ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण राजस्थान, गुजरात के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। केरल, झारखंड के कुछ हिस्सों, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर भारत, लक्षद्वीप, आंतरिक कर्नाटक हिमाचल प्रदेश और जम्मू

कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश संभव है।

राजधानी में मानसून पर लगेगा ब्रेक

दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे। कहीं हल्की वर्षा और कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास रहने के आसार। इसके बाद अब तीन-चार दिन तक मानसून पर ब्रेक रहेगा। इस दौरान मौसम शुष्क बना रहेगा। उमस भरी गर्मी बढ़ने की संभावना है।

मध्य प्रदेश में मानसून फिर एक्टिव

मौसम विभाग के मुताबिक पूरे मध्य प्रदेश में मानसून एक बार फिर एक्टिव हो गया है जिसके चलते अगले 24 घंटे में इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में तेज बारिश होने के आसार हैं। 8 अगस्त से कई इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। 18 अगस्त तक प्रदेशभर में पानी गिरता रहेगा। 19 से 25 अगस्त तक ग्वालियर-चंबल, बुंदेलखंड, बघेलखंड, महाकौशल और नर्मदापुरम में रिमझिम होती रहेगी।

खनन माफियाओं ने किया भाजपा सांसद रंजीता कोली पर हमला

खेतों में भागकर बचाई जान

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर से भाजपा सांसद रंजीता कोली पर फिर से खनन माफियाओं ने हमला किया है। कोली ने किसी तरह खेतों में भागकर अपनी जान बचाई। कोली पर खनन माफियाओं द्वारा यह चौथा हमला है। जानकारी के मुताबिक, रविवार रात दिल्ली से लौटते वक्त रंजीता कोली ने कामां इलाके में बॉर्डर पर 150 ट्रकों को देखा जो ओवरलोडेड थे, जिसके बाद कोली ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो जबाव में उन्होंने पत्थरबाजी कर दी। कोली ने कहा, मैंने देखा कि लगभग 150 ट्रक ओवरलोडेड थे। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन वे भाग गए। उन्हें लगा कि मैं कार में हूं और उन्होंने पथराव कर मेरी कार तोड़ दी। मेरी हत्या हो सकती थी, यह मुझ पर हमला है लेकिन मैं नहीं डरूंगी।

धरने पर बैठीं रंजीता कोली- सांसद पर हुए इस हमले को लेकर एएसपी आरएस कविया ने कहा कि सांसद ने हमें मामले की जानकारी दी है। सांसद

रंजीता कोली ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए मौके पर ही धरने पर बैठने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि हमले की सूचना के दो घंटे बाद भी पुलिस नहीं पहुंची।

छोड़ेंगे नहीं, तोड़ेंगे; नोएडा में गालीबाज श्रीकांत त्यागी पर गरजा योगी का बुलडोजर

नोएडा। नोएडा की एक सोसायटी में महिला से गुंडागर्दी करने वाले श्रीकांत त्यागी पर योगी सरकार की सख्ती शुरू हो गई है। सोमवार को सोसायटी में नोएडा अथॉरिटी के अधिकारी मजदूरों के साथ पहुंचे और श्रीकांत के अवैध निर्माण पर हथौड़ा चलाया गया। इसके बाद तुरंत बुलडोजर भी पहुंच गए और श्रीकांत त्यागी के अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। अब तक श्रीकांत की ओर से धमकाई जाती रहीं महिलाओं ने ताली बजाकर इसका स्वागत किया।

नोएडा सेक्टर 93 के ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी में श्रीकांत त्यागी ने लंबे समय से अवैध निर्माण किया हुआ था।2019 में भी सोसायटी के लोगों ने उसके खिलाफ नोएडा अथॉरिटी से शिकायत की थी, लेकिन

नोएडा सेक्टर 93 के ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी में श्रीकांत त्यागी ने लंबे समय से अवैध निर्माण किया हुआ था। 2019 में भी सोसायटी के लोगों ने उसके खिलाफ नोएडा अथॉरिटी से शिकायत की थी,

अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए वह बचता रहा है। अब महिला से बदसलूकी और गाली-धमकी देते हुए उसका वीडियो वायरल होने के बाद वह कार्रवाई की जद में आ गया है।

देर से लिया गया सही ऐक्शन

श्रीकांत त्यागी के खिलाफ बुलडोजर का तालियों के साथ स्वागत करने वाली महिलाओं ने कहा, 'बहुत सही ऐक्शन लिया गया है। हमें योगी सरकार से यही उम्मीद थी। ऐक्शन देर से लिया गया, लेकिन सही लिया गया। एक साल से मेंटेनेंस चार्ज नहीं दिया था। हमें बहुत खुशी है कि बुलडोजर बाबा का बुलडोजर चला है। योगी जी सबके लिए एक जैसे हैं। श्रीकांत त्यागी गिरफ्तार नहीं कर पाई है तीन दिन बाद भी। उसे जल्दी गिरफ्तार किया जाए।'

अब तक फरार है श्रीकांत

श्रीकांत त्यागी अब तक फरार है। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज किया है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) भी लगाए जाने की तैयारी है, लेकिन अब तक वह कानून के शिकंजे से बाहर है। रविवार रात श्रीकांत त्यागी के कुछ समर्थकों ने सोसायटी में जाकर पथराव किया था और निवासियों से मारपीट की थी। इसके बाद खुद बीजेपी सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा सोसायटी में पहुंचे और लखनऊ फोन घुमाकर जल्द ऐक्शन की मांग की। उन्होंने यहां तक कह दिया कि वह यह कहते हुए शर्मिंदगी महसूस कर रहे हैं कि अपनी सरकार है।

मनरेगा को लेकर गिरिराज सिंह ने राज्यों को दी चेतवानी, कहा जल्दी करें यह काम

नई दिल्ली। मनरेगा को लेकर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह अकसर यह कहते हैं कि कांग्रेस सरकार के दौरान मनरेगा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था जबकि मोदी सरकार ने ना केवल मनरेगा के बजट को कई गुना बढ़ाया, बल्कि इसके साथ ही सरकार इस पूरी योजना में पारदर्शिता भी लेकर आई है। इसी बीच हाल ही में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने राज्यों को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि मनरेगा के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, नहीं तो इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

मनरेगा स्कीम में पारदर्शिता की जवाबदेही

दरअसल, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने बताया है कि उन्होंने मनरेगा के तहत दिए जा रहे फंड के इस्तेमाल और इस पूरी स्कीम के क्रियान्वयन में पारदर्शिता का मुद्दा बार-बार उठाया है। इकॉनोमिक टाइम्स से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह राज्यों के लिए आखिरी चेतावनी है। अगर वे अभी भी प्रक्रियाओं का पालन नहीं करते हैं, तो हम अक्टूबर में मनरेगा बजट को उनके श्रम बजट से जोड़ने के लिए मजबूर होंगे।

बजट को सोशल ऑडिट करने का सुझाव

असल में रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण विकास मंत्रालय ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर मनरेगा के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने और प्रक्रियाओं का पालन करने का अनुरोध किया है। मनरेगा में किसी तीसरे पक्ष या सामाजिक लेखा परीक्षा इकाई के स्वतंत्र निदेशक द्वारा किए जाने वाले कार्य के सोशल ऑडिट का प्रावधान है। मंत्रालय ने राज्यों से एक स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने और सभी ग्राम पंचायतों के लिए सोशल ऑडिट करने का अनुरोध किया है।

लोकपाल नियुक्त करने का भी प्रावधान

इतना ही नहीं देश के सभी जिलों में शिकायत निवारण के लिए एक लोकपाल नियुक्त करने का भी प्रावधान है और केंद्र सरकार लोकपाल के मासिक वेतन का भुगतान भी करती है। गिरिराज सिंह ने कहा कि जिन जिलों में मनरेगा का काम चल रहा है उनमें से कुछ में ही लोकपाल की नियुक्ति हुई है। अभी ऐसे जिले तमाम जिले हैं जहां कोई नियुक्ति नहीं हुई है।

अधिकारी और जनप्रतिनिधि खुद रखें नजर

मनरेगा के तहत श्रमिकों की उपस्थिति रिकॉर्ड करने के लिए बकायदा एक प्रणाली की व्यवस्था की गई है। केंद्र सरकार की सलाह के अनुसार उनकी तस्वीर को जियोटैग करके एक ऐप पर अपलोड किया जाता है। मंत्रालय ने पांच अगस्त को लिखे पत्र में राज्यों से श्रमिकों की जियो-टैगिंग उपस्थिति प्रणाली का पालन करने को कहा है। इसके अलावा सरकार अधिकारियों को एक महीने में कम से कम दस कार्यस्थलों का दौरा करना अनिवार्य है और उन्हें ऐप में साइट से अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए कहा गया है।

संपादकीय

जांच में बाधाएं

देश में जांच एजेंसियों को जिस तरह से काम करने से रोका जा रहा है, उसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। संघीय ढांचे के लिए भी यह एक बड़ा सवाल है कि एक प्रदेश की पुलिस या जांचकर्ताओं को दूसरे प्रदेश में जांच करने में आखिर क्यों परेशानी हो रही है? ताजा शिकायत के अनुसार, पश्चिम बंगाल सीआईडी ने दावा किया है कि नई दिल्ली और गुवाहाटी में उसकी दो टीमों को स्थानीय पुलिस ने रोका है। क्या झारखंड के तीन विधायकों से नकद जब्ती के संबंध में पश्चिम बंगाल के जांचकर्ताओं को जांच से वाकई रोका जा रहा है? यह वाकई अफसोसजनक है, जांच एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी का दावा है कि उसके अधिकारियों को बुधवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। ये जांच अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी में एक आरोपी, तीन गिरफ्तार विधायकों के करीबी सहयोगी की संपत्ति पर छापेमारी कर रहे थे। अगर पश्चिम बंगाल की पुलिस ने किसी प्रक्रिया का पालन नहीं किया है, तो यह गलत है, लेकिन अगर प्रक्रिया का पालन हुआ है, तो उसे जांच से रोकना अनुचित है। किसी भी राज्य में किसी भी पुलिस दल को जांच से रोकने के पीछे के तर्क बहुत स्पष्ट होने चाहिए।

झारखंड के तीन विधायकों को ३१ जुलाई को पश्चिम बंगाल के हावड़ा में ४९ लाख रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया गया था। इस मामले के तार पश्चिम बंगाल सीआईडी को असम और दिल्ली से जुड़े नजर आ रहे हैं, तो उसे जांच करने की मंजूरी मिलनी चाहिए। लेकिन जब पश्चिम बंगाल की टीम गुवाहाटी में उतरी, तो उसे परेशानी हुई। दिल्ली में जो बंगाल की टीम पहुंची, उससे शायद एक चूक हुई है। बताया जाता है कि जिस अधिकारी के नाम से जांच की मंजूरी मिली थी, वह अधिकारी जांच की जगह पर मौजूद नहीं था। उसकी जगह पर दूसरे जांचकर्ता जांच कर रहे थे, जिन्हें कथित रूप से जांच से रोक दिया गया। मतलब, यदि किसी राज्य से कोई टीम किसी दूसरे राज्य में जांच के लिए जाती है, तो उसे पूरी तैयारी के साथ जाना चाहिए। हम अच्छी तरह जानते हैं कि किसी सरकारी काम में किस तरह से तकनीकी बहाने बनाए या खड़े किए जाते हैं। जांच के ऐसे मामलों में एक राज्य की पुलिस दूसरे राज्य की पुलिस के साथ ऐसा ही करती दिखती है। क्या ऐसे जांच दल का लक्ष्य कानून की सेवा नहीं है? क्या ऐसे दलों का किसी राजनीतिक दल की सेवा के लिए इस्तेमाल होता है?

जांच रोकने-रुकवाने की यह परिपाटी जल्दी खत्म होनी चाहिए, वरना कानूनों का विशेष महत्व नहीं रह जाएगा और अपराधीकरण पूरे देश का खून चूसने लगेगा। संविधान निर्माताओं ने यह कल्पना की थी कि जांच एजेंसियों व पुलिस को स्वतंत्रता के साथ काम करने दिया जाएगा, लेकिन हर बार ऐसा नहीं दिखता है। ऐसा नहीं है कि जांच के काम में बाधा पैदा करने वालों को भविष्य में कोई परेशानी नहीं होगी। संस्था कोई भी हो, सुधरने में वर्षों लगते हैं, लेकिन बिगड़ने में ज्यादा वक्त नहीं लगता। ठीक इसी तरह किसी जांच एजेंसी पर विश्वास पैदा होने में वर्षों लगते हैं, पर किसी जांच एजेंसी की छोटी सी लापरवाही भी उसकी साख को बट्टा लगा देती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि किसी जांच एजेंसी को अगर चंद मिनट के लिए भी रोक दिया जाए, तो मुमकिन है, उसके हाथ से अपराधी हमेशा के लिए निकल जाए। जरूरी है, पुलिस व जांच एजेंसियों की बढ़ रही परेशानी की चिंता उच्च स्तर पर हो, ताकि कहीं भी कोई अपराधी बचने न पाए।

सुशासन और संस्कृति का पथ

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण पूर्णता की ओर है। श्रीराम वनगमन पथ का निर्माण भी प्रगति पर है। चित्रकूट इसका महत्वपूर्ण पड़ाव है। यहीं भाजपा का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ क्रमशः चित्रकूट और अयोध्या पहुंचे। चित्रकूट में उन्होंने शिविर के समापन सत्र को संबोधित किया। अयोध्या में मंदिर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करविकास कार्यों की समीक्षा की। सरकार और संगठन से संबंधित संबोधन यह प्रसंग अपने में बहुत कुछ कहता है। इसमें सुशासन और संस्कृति का संदेश समाहित है। भाजपा संगठन और सरकार इसके प्रति समर्पित है। यही वह तथ्य हैं जो भाजपा को अन्य पार्टियों से अलग करते हैं। सभी विपक्षी पार्टियां परिवार आधारित हैं। इन सभी की नजर वोट बैंक की सियासत पर रहती है। सरकार में रहने के दौरान इसी मानसिकता से कार्य किया जाता है। इसमें परिवार से संबंधित जनपद और क्षेत्र वीआईपी माने जाते हैं। इनको छोड़कर अन्य किसी भी जिले को चौबीस घंटे बिजली नसीब नहीं होती थी। योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालते ही इस परंपरा को समाप्त किया। बिना भेदभाव के पूरे प्रदेश के समग्र विकास का संकल्प लिया था। प्रत्येक नगर-गांव को वीआईपी माना। इसी के अनुरूप बिजली अपूर्ति और विकास कार्यों को क्रियान्वित किया गया।

चित्रकूट का प्रशिक्षण शिविर उत्साह के माहौल में हुआ। चार दशक बाद किसी सरकार को लगातर दूसरी बार जनादेश प्राप्त हुआ था। उपचुनाव में मुख्य विपक्षी के सर्वाधिक सुरक्षित गढ़ भी ध्वस्त हो गए थे। राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा उम्मीदवार को शानदार सफलता मिली थी। डेढ़ दर्जन विपक्षी पार्टियां मिलकर भी राजग का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं हैं। वस्तुतः भाजपा को यह मुकाम उसकी केंद्र और प्रदेश सरकारों द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों से मिला है। शिविर में इसी को जारी रखने का मंसूबा दिखाई दिया। यही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सुशासन भाजपा का संबल है। उसका मानना है कि राष्ट्रीय स्वाभिमान किसी देश को शक्तिशाली बनाने में सहायक होता है। देश में इसी विचार के जागरण की आवश्यकता है।अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण व भव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ वर्ष और योगी आदित्यनाथ ने पांच वर्ष में संस्कृति और सुशासन को नया आयाम दिया है। इसमें दो वर्ष वैश्विक कोरोना महामारी का प्रकोप रहा। इसने दुनिया के विकसित देशों को भी हिला कर रख दिया था। सभी देशों की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव हुआ। इससे अभी संभलने का प्रयास चल रहा था, तभी रूस यूक्रेन संकट सामने आ गया। इन सभी कारणों से पूरी दुनिया में महंगाई बढ़ी है। अमेरिका व यूरोप के विकसित देशों में कई दशक कर बाद ऐसी महंगाई देखी जा रही है। नरेंद्र मोदी सरकार ने तो इस अवधि में दुनिया की सबसे बड़ी निशुल्क राहत वितरण योजना का संचालन किया। दुनिया का सबसे बड़ा निशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया। इसके अलावा राहत के अनेक कार्य किए गए। उत्तर प्रदेश भी ऐसी सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में नंबर वन है। देश में सत्तर वर्ष बाद एक विधान एक निशान लागू हुआ। पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के उत्पीड़ित हिन्दू बौद्ध,सिख,पारसी परिवारों को न्याय मिला। नागरिकता संशोधन कानून लागू हुआ। इसका जिस प्रकार विरोध किया गया उससे जाहिर हुआ कि मोदी सरकार न होती तो इन उत्पीड़ितों की सुनने वाला कोई नहीं था।

आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी गई। इसलिए देश विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। मोदी ने अपनी दूरदर्शी नीति, समर्पण और टीम इंडिया की भावना के साथ देश के लोकतंत्र को एक नई दिशा दी है। करोड़ों की संख्या में गरीबों के लिए आवास शौचालय बनाए गए। निशुल्क गैस सिलेंडर दिए गए। स्वरोजगार के लिए मुद्रा बैंक ने बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित किया। स्वनिधि योजना से भी गरीब व्यवसायियों को लाभ मिल रहा है। अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक पैकेज दिया गया। कोरोनाकाल में अस्सी करोड़ लोगों को निशुल्क राशन की व्यवस्था की गई। जन औषधि दवा केन्द्र की संख्या अस्सी से बढ़कर पांच हजार हो गई। करीब सवा सौ नये मेडिकल कालेज खुले हैं। यूपीए के दस वर्ष में भारतीय रेल ने मात्र चार सौ तेरह रेल रोड ब्रिज और अंडर ब्रिज का निर्माण किया। मोदी सरकार ने इससे तीन गुना अधिक निर्माण किया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के पन्द्रह करोड़ से ज्यादा लाभार्थी हैं। यह दुनिया की सबसे सस्ती योजना है। बिजली उत्पादन में चालीस प्रतिशत की वृद्धि हुई। सोलर ऊर्जा में आठ गुना वृद्धि हुई। फसल बीमा योजना का लाभ पहले पचास प्रतिशत नुकसान पर मिलता था। अब किसान को तैंतीस प्रतिशत पर भी मिल जाता है। यूरिया को नीम कोटेड कर कालाबाजारी खत्म की गई। किसानों को सम्मान निधि दी जा रही है। पिछली सरकारों के समय बावन सेटेलाइट लांच किये गए थे। मोदी सरकार ने अब तक देशी विदेशी करीब तीन सौ सेटेलाइट लांच कर चुकी हैं। पांच वर्ष पहले तक उत्तर प्रदेश की राजनीति सपा और बसपा में सिमटी थी। अब सबकुछ बदल चुका है। साढ़े चार वर्ष पहले मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा को मौका दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जानते थे कि केवल सरकार का बदलना पर्याप्त नहीं है। इसलिए उन्होंने सबसे पहले व्यवस्था में बदलाव व सुधार किया। निवेश व विकास के अनुकूल माहौल बनाया। इसका सकारात्मक परिणाम सामने आया। कई योजनाओं में योगी सरकार की उपलब्धि सत्तर वर्षों पर भारी है। योगी के प्रयासों से निवेश का सर्वाधिक आकर्षक प्रदेश बन गया है। एंटी रोमियो स्क्वायड से मिशन शक्ति तक की कोशिशों से महिलाएं सुरक्षित सम्मानित हैं। स्वावलम्बन की मिसाल बन रही हैं। पांच वर्ष पहले बेरोजगारी दर सत्रह प्रतिशत थी। अब चार प्रतिशत है। योगी के कोरोना आपदा प्रबंधन की सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन व नीति आयोग ने की है। पहले उत्तर प्रदेश साम्प्रदायिक दंगों की चपेट में था। योगी शासन में प्रदेश दंगों से मुक्त रहा। पिछले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास हुआ है। पांच वर्ष पहले इस चित्रकूट में आना बहुत चुनौतीपूर्ण था। पांच वर्ष पहले सरकार ने एजेंडे पर बुंदेलखंड सबसे ऊपर रखा। यहां की समस्याओं का समाधान किया गया। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और हर घर नल की योजना आदि से बुंदेलखंड की तस्वीर बदल रही है। इसी के साथ सम्पूर्ण प्रदेश का समग्र विकास किया जा रहा है।(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की ऊंची उड़ान

आर.के. सिन्हा

यह कोई बहुत पुरानी बात नहीं हैं जब अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भारत की लगभग सांकेतिक उपस्थिति रहा करती थी। हम हॉकी में तो कभी-कभार बेहतर प्रदर्शन करते थे पर शेष में हमारा प्रदर्शन औसत से नीचे या खराब ही रहता था। हमारे खिलाड़ियों-अधिकरियों की टोलियां मौज-मस्ती करके वापस आ जाया करती थीं। हिन्दुस्तानी खेलप्रेमियों की निगाहें एक अदद पदक देखने के लिए तरस जाया करती थीं। गुजरे दशक से स्थितियां तेजी से बदली हैं। खासकर मोदी सरकार के आने के बाद। सबसे बड़ी बात ये है कि हम बैडमिंटन में विश्व चैंपियन बनने लगे हैं। हमारा धावक ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और क्रिकेट में तो हम विश्व की सबस बड़ी शक्ति हैं ही। हमने इस कॉमनवेल्थ गेम्स में ५० पदक बटोरे जिसमें १८ तो स्वर्ण पदक और १५ रजत पदक हैं।

बेटियां वेटलिफ्टिंग तथा कुश्ती जैसी स्पर्धाओं में देश की झोली पदकों से भर देती हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स-२०२२ की वेट लिफ्टिंग स्पर्धा में मीराबाई चानू, जेरेमी लालरिनुंगा और अचिंता शुली ने भारत के लिए तीन गोल्ड मेडल जीते, जबकि संकेत महादेव सरगर, बिंद्यारानी देवी सोरोखैबम और विकास ठाकुर ने सिल्वर मेडल और लवप्रीत सिंह, गुरुराजा, हरजिंदर कौर और गुरदीप सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। फिर कुश्ती मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिला। कुश्ती मुकाबलों के पहले ही दिन साक्षी मलिक ने महिला ६२ किलो भारवर्ग के फाइनल में कनाडा की एना गोडिनेज गोंजालेज को हराकर गोल्ड मेडल जीता। भगवान शिव के भक्त बजरंग पूनिया ने भी भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता। पुरुषों की फ्रीस्टाइल ६५ किलो भारवर्ग के फाइनल में बजरंग पूनिया ने कनाडा के एल. मैकलीन को ९-२ मात दी। वहीं अंशु मलिक सिल्वर मेडल जीतने में कामयाब रहीं। जबकि दिव्या काकरान और मोहित ग्रेवाल कांस्य का पदक हासिल करने में सफल रहे। कुश्ती में रवि दहिया और दीपक पूनिया ने भी स्वर्ण पदक हासिल किए।

एक तरफ हमारे खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चेन्नई में ४४वें शतरंज ओलंपियाड का उद्घाटन करते हैं। यह आयोजन पहली बार भारत में हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,99 यह खास टूर्नामेंट है और हमारे लिये यह सम्मान की बात है कि इसका आयोजन भारत में हो रहा है और वह भी तमिलनाडु में जिसका शतरंज से सुनहरा नाता रहा है।"" तमिलनाडु सरकार ने टूर्नामेंट का जबरदस्त प्रचार भी किया है। पारंपरिक तमिल परिधान पहने ओलंपियाड के शुभंकर 9थम्बी" के कटआउट जगह-जगह लगाए गए हैं। ओलंपियाड रूस में होना था। लेकिन, यूक्रेन पर रूस के सैन्य हमले के बाद उससे मेजबानी छीन ली गई। शतरंज के जानकारों का मानना है कि इसके आयोजन संदेश में शतरंज की लोकप्रियता और बढ़ेगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स से ठीक पहले ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया था। उन्होंने इस चैंपियनशिप में १९ साल बाद भारत को पदक दिलाया। उनकी उपलब्धि पर सारा देश गर्व कर रहा था। वे दूसरे स्थान पर रहने के बावजूद इतिहास रचने में कामयाब रहे। वह भारत के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक हासिल किया है। उनसे पहले लंबी कूद में भारतीय महिला एथलीट अंजू बेबी जॉर्ज ने यहां पदक जीता था। अंजू ने साल २००३ में हुई वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेडल अपने नाम किया था।

और बीती मई महीने में भारत ने थॉमस कप जीता था। लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने जो धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाया उसने उस धारणा को धराशायी कर दिया कि भारतीय खेलों के लिए नहीं बने हैं। लंबे समय से हम भारतीयों ने अपने मन में इन भ्रांतियों को पनपने दिया। कहा जाता रहा है कि भारतीयों में वह जीतने वाला दम नहीं होता। हम सिर्फ देश में ही अच्छा खेलते हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेकार साबित होते हैं। अफसोस कि हमने खुद दूसरों को अपने ऊपर हंसने का मौका दिया है। भारतीय बैडमिंटन की लंबी छलांग की बात करेंगे तो पी.वी. सिंधु को कैसे नजरअंदाज कर सकते हैं। उसने कुछ हफ्ते पहले सिंगापुर ओपन चैंपियनशिप को जीता। उसने अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी चीन की वैंग झी यी को धूल चटाई। सिंधु के लिए ये किसी कड़ी परीक्षा की तरह था। लेकिन वो जंग ही क्या जिसे भारत की सिंधु पार नहीं कर पाए। मुकाबला टक्कर का था पर कोर्ट पर सिंधु की फुर्ती के सामने चीनी दीवार ढेर हो गई। सिंधु ने महत्वपूर्ण लम्हों पर धैर्य बरकरार रखना सीख लिया है। सिंधु का मौजूदा सत्र का यह तीसरा खिताब है। सिंधु ओलिंपिक में रजत और कांस्य पदक के अलावा विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक भी जीत चुकी हैं।

बहरहाल, ये कहना पड़ेगा कि भारत खेलों में चौतरफा स्तर पर आगे बढ़ रहा है। हमारी क्रिकेट टीम ने हाल ही में पहले इंग्लैंड में और वेस्ट इंडीज में शानदार प्रदर्शन किया। ये वास्तव में सुखद स्थिति है। इस सफलता पर हमें एक पहलू यह भी देखना होगा कि खेलों में उपलब्धियां पूर्वोत्तर या हरियाणा से ही अधिक क्यों मिल रही हैं। दरअसल चानू मीराबाई और साक्षी मलिक जैसी महिला खिलाड़ी सारे देश की आधी आबादी के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। इन सबने कठिन और विपरीत हालातों में भी अपने देश का नाम रोशन किया है। इन्होंने देश को गौरव और आनंद के अनेक लम्हे दिए हैं। ये ओलंपिक तथा कॉमनवेल्थ जैसे मंचों पर अपनी श्रेष्ठता को साबित कर रही हैं। इनकी कामयाबियों से सारा देश अपने को गौरवान्वित महसूस करता है। इनके रास्ते पर देश की लाखों-करोड़ों बेटियां भी चलें तो अच्छा रहेगा। पर अब भी बिहार, झारखंड तथा उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से सफल खिलाड़ियों का निकलना बाकी है। इन राज्यों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उभरती हुई प्रतिभाओं को सुविधायें देनी होंगी। झारखंड से बेहतरीन हॉकी खिलाड़ी खास तौर पर निकलते रहे हैं।

भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स की कुश्ती स्पर्धा में उम्मीद के मुताबिक सही प्रदर्शन किया। भारत को पदक दिलवाने वाले लगभग सब पहलवान हरियाणा से थे। इन हरियाणा के पहलवानों पर देश को गर्व है। पर उत्तर प्रदेश के वाराणसी, इलाहाबाद, आजमगढ़, गाजीपुर, गोरखपुर आदि जिलों के अपने अखाडों से श्रेष्ठ पहलवान क्यों नहीं निकल रहे हैं? क्या हालत है इन जिलों के अखाड़ों के? उत्तर सुनकर सिर शर्म से झुक जाएगा कि बदहाल इन अखाड़ों को कोई पूछने वाला नहीं है। रुस्तमे हिन्द मंगला राय, हिन्द केसरी विजय बहादुर, मनोहर पहलवान कभी तो इन्हीं अखाड़ों से निकले थे। बिहार को भी खेलना होगा। याद नहीं आता कि १०-१२ करोड़ की आबादी वाले प्रदेश से कब कोई नामवर खिलाड़ी निकला। बिहारी समाज को खेलों पर फोकस करना होगा। खेलों में करियर बनाना कतई गलत नहीं है। इन सब राज्यों में श्रेष्ठ खेल मैदान बनाये जाने चाहिए। इन सब राज्यों में खेलों का कल्चर विकसित करना जरूरी है।

हरेक भारतवासी की यह चाहत है कि भारत दुनिया में खेलों की महाशक्ति बने। बेशक, हम इस दिशा में तेजी से बढ़ भी रहे हैं। लेकिन, अब भी हमारे देश के कुछ राज्यों में खेलों की संस्कृति विकसित नहीं हो पा रही है। इसी तरह से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तथा कुछ अन्य महानगरों से भी पदक दिलवाने वाले खिलाड़ी सामने नहीं आ रहे हैं। दिल्ली में १९८२ के एशियाई खेल हुए। उसके बाद २०१२ में कॉमनवेल्थ खेल हुए। इसलिए यहां तमाम विश्वस्तरीय स्टेडियम बने। इनमें उच्च कोटि की सुविधाएं दी गईं। इसके बावजूद दिल्ली भी बहुत सारे खिलाड़ी देश को नहीं दे रही है। इन पहलुओं पर भी गौर करने की जरूरत है।(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

धनखड़ की जीत के अर्थ

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

उप राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में जगदीप धनखड़ की जीत ने देश की भावी राजनीति के अस्पष्ट पहलुओं को भी स्पष्ट कर दिया है। सबसे पहली बात तो यह कि उन्हें प्रचंड बहुमत मिला है। उन्हें कुल ५२८ वोट मिले और मार्गरेट अल्वा को सिर्फ १८२ वोट। यानी धनखड़ को लगभग ढाई-तीन गुने ज्यादा वोट। भाजपा के पास इतने सांसद तो दोनों सदनों में नहीं हैं। फिर कैसे मिले इतने वोट? जो वोट तृणमूल कांग्रेस के धनखड़ के खिलाफ पड़ने थे, वे नहीं पड़े। वे वोट तटस्थ रहे। इसका कोई कारण आज तक बताया नहीं गया। धनखड़ ने राज्यपाल के तौर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जैसी खाट खड़ी की, वैसी किसी मुख्यमंत्री की क्या किसी राज्यपाल ने आज तक की है? इसी कारण भाजपा के विधायकों की संख्या बंगाल में ३ से ७३ हो गई। इसके बावजूद ममता के सांसदों ने धनखड़ को हराने की कोशिश बिल्कुल नहीं की। इसका मुख्य कारण मुझे यह लगता है कि ममता कांग्रेस के उम्मीदवार के समर्थक के तौर पर बंगाल में दिखाई नहीं पड़ना चाहती थीं। इसका गहरा और दूरगामी अर्थ यह हुआ कि विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस को ममता नेता की भूमिका नहीं देना चाहती हैं यानी विपक्ष का भाजपा-विरोधी गठबंधन अब धराशायी हो गया है। कई विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने भी धनखड़ का समर्थन किया है। हालांकि राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति का पद पार्टीमुक्त होता है लेकिन धनखड़ का व्यक्तित्व ऐसा है कि उन्हें भाजपा के बाहर के सांसदों ने भी पसंद किया है, क्योंकि चंद्रशेखर की जनता पार्टी सरकार में वे मंत्री रहे हैं, कांग्रेस में रहे हैं और भाजपा में भी रहे हैं। उनके मित्रों का फैलाव कम्युनिस्ट पार्टियों और प्रांतीय पार्टियों में भी रहा है।

वे एक साधारण किसान परिवार में पैदा होकर अपनी गुणवत्ता के बल पर देश के उच्चतम पदों तक पहुंचे हैं। ममता बनर्जी के साथ उनकी खींचतान काफी चर्चा का विषय बनी रही लेकिन वे स्वभाव से विनम्र और सर्वसमावेशी हैं। हमारी राज्यसभा को ऐसा ही सभापति आजकल चाहिए, क्योंकि उसमें विपक्ष का बहुमत है और उसके कारण इतना हंगामा होता रहता है कि या तो किसी भी विधेयक पर सांगोपांग बहस हो ही नहीं पाती है या फिर सदन की कार्रवाई स्थगित हो जाती है। उप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद इस सत्र के अंतिम दो दिन की अध्यक्षता वे ही करेंगे। वे काफी अनुशासनप्रिय व्यक्ति हैं लेकिन अब वे अपने पद की गरिमा का ध्यान रखते हुए पक्ष और विपक्ष में सदन के अंदर और बाहर तालमेल बिठाने की पूरी कोशिश करेंगे ताकि भारत की राज्यसभा, जो कि उच्च सदन कहलाती है, वह अपने कर्तव्य और मर्यादा का पालन कर सके। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के अध्यक्ष जगदीप धनखड़ को अब शायद विपक्षी सांसदों को मुअत्तिल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।(लेखक, भारतीय भाषा सम्मेलन के अध्यक्ष हैं।)

विदेशी विचार छोड़कर 'स्व' का भाव जगाएं

सुरेश हिन्दुस्थानी

आजादी के अमृतकाल में भारत छोड़ो आंदोलन दिवस (०९ अगस्त) पर बहुत कुछ सोचने-समझने का अवसर है। दरअसल किसी भी देश का विचार उसके स्वभाव से परिचित कराता है। अगर किसी देश के पास स्वयं के विचार का आधार नहीं है, तब निश्चित ही वह देश दूसरे के विचारों के अनुसार ही संचालित होगा। कहा जाता है कि कोई देश जब अपना अतीत भूल जाता है, तब वह धीरे-धीरे पतन की ओर कदम बढ़ाने की अग्रसर होता है। ऐसा उन्हीं देशों में होता है जहां निजत्व का गौरव नहीं होता। ऐसे देश प्रायः अपने स्वर्णिम और सुखद भविष्य की बुनियाद नहीं रख पाते। भारत देश के बारे में ऐसा कतई नहीं माना जा सकता। भारत के पास अतीत की ऐसी सुंदर परिकल्पना है जो केवल भारत का ही नहीं, अपितु पूरे विश्व का दिशा-दर्शन करने का सामर्थ्य रखती है, लेकिन समस्या इस बात की है कि वर्तमान में भारत के लोग अपनी सनातन संस्कृति से विमुख होते जा रहे हैं। भारत के कई लोग अपने विचारों को त्यागकर विदेशी विचारों को अपनाने की होड़ में लगे हैं। इसका आशय यही है कि हमें अपने प्रेरणादायी विचारों की समझ नहीं है। पुरातन काल से विदेशियों का यह षड्यंत्र चल रहा है कि भारतीय समाज अपने स्वर्णिम अतीत को भूल जाए। जिसमें विदेशी शक्तियां कुछ हद तक सफल भी हो रही हैं। हम यह भली भांति जानते हैं कि अमेरिका सहित अन्य पश्चिमी देशों का विचार और भारत का विचार एक सा नहीं हो सकता। पश्चिम में धनपतियों की कथाएं प्रेरणा का केन्द्र हैं, जबकि भारत में सांस्कृतिक जागरण के लिए राष्ट्र और धर्म के लिए सब कुछ त्याग करने वालों की कथाएं प्रचलन में हैं। और यही कथाएं समाज को सकारात्मक दिशा का बोध कराने में सक्षम होती हैं। भारत ने कभी भी अपने विचार को किसी भी देश पर थोपा नहीं है और न ही भारत की ऐसी मानसिकता ही है। यह सार्वकालिक सत्य है कि भारत के विचार को जब भी और जिसने भी सुना है, वह भारतीय विचारों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ा है।

यहां मुख्य सवाल यह है कि भारत का 'स्व' क्या है? इसका चिंतन करने के लिए हमें भारत को समझना होगा। इसके लिए हमारा स्वभाव क्या होना चाहिए? इस पर भारतीय दृष्टि से विचार करने की आवश्यकता है। जब हम इस दृष्टि से विचार करेंगे तो हमें वह सब दिखाई देगा, जो हमारा अपना है। जिसमें विदेशी विचार की कोई गुंजाइश नहीं होगी। लेकिन वर्तमान समय में हमको अपने विचार के बारे में चिंतन करने की आवश्यकता महसूस नहीं हो रही। इसके पीछे का मात्र यही कारण है कि हमें यह पता नहीं है कि हम क्या हैं? इसलिए समाज को जब पता नहीं होता तो वह न चाहकर भी नए विचारों को ग्रहण करने लगता है। इससे हम स्वयं के अस्तित्व को तो मिटाते ही हैं, साथ ही अपने देश के मूल स्वभाव को भी विस्मृत करने का अपराध भी करते हैं। हमें स्वदेशी में भी समाहित स्व का अर्थ पता नहीं होता। स्वदेशी विचार कोई वस्तु का नाम नहीं है, बल्कि यह एक संचेतना है, जिसे जगाने की बहुत आवश्यकता है।

वर्तमान में जिस प्रकार से हमारे त्यौहार विदेशी वस्तुओं पर निर्भर होते जा रहे हैं, उससे त्यौहारों का मूल स्वरूप भी बदल गया है। इसके बाद हम स्वयं ही यह सवाल करते हैं कि हमारे त्यौहार पहले जैसे नहीं रहे। भारतीय बाजारों में जिस प्रकार से चीनी वस्तुओं का आधिपत्य दिखाई दे रहा है, उससे यही लगता है कि देश में एक और भारत छोड़ो आंदोलन की महती आवश्यकता है। यह बात सही है कि आज देश में अंग्रेज नहीं हैं, लेकिन भारत छोड़ो आंदोलन के समय जिस देश भाव का प्रकटीकरण किया गया, आज भी वैसे ही देशभाव के प्रकटीकरण की आवश्यकता दिखाई देने लगी है। रक्षाबंधन के त्यौहार को अपना त्यौहार मानकर वैसा ही मनाने का प्रयास करना चाहिए, जैसा पहले मनता आया है। इसके लिए अपने मन को स्वदेशी की भावना से पूरित करने की आवश्यकता है। रक्षाबंधन पर हम सभी चीनी वस्तुओं का त्याग करके चीन को सबक सिखा सकते हैं। यह समय की मांग भी है और देश को सुरक्षित करने का तरीका भी है। तो क्यों न हम आज ही इस बात का संकल्प लें कि हम जितना भी और जैसे भी हो सकेगा, देश की रक्षा के लिए कुछ न कुछ अवश्य ही करेंगे।

भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराने के लिए जिन महापुरुषों ने जैसे स्वतंत्र भारत की कल्पना की थी, वर्तमान में वह कल्पना धूमिल होती दिखाई दे रही है। महात्मा गांधी ने सीधे तौर पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रति देशभाव के प्रकटीकरण करने की बात कही थी, पर क्या यह भाव हमारे विचारों में दिखाई देता है। कदाचित नहीं। सभी महापुरुषों का एक ही ध्येय था कि कैसे भी हो देश में स्वदेशी भावना का विस्तार होना चाहिए, फिर चाहे हमारे दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली वस्तुओं का मामला हो या फिर त्यौहारों का। सभी में स्वदेशी का भाव प्रकट होना चाहिए। विदेशी विचारों को देश से बाहर करने की आवश्यकता है। वास्तव में देखा जाए तो वर्तमान में हम मतिभ्रम का शिकार हो गए हैं। विदेशी विचारों की अच्छाई के बारे में कोई झूठा भी प्रचार कर दे तो हम उस पर आंख बंद करके विश्वास कर लेते हैं, लेकिन हमें अपने विचारों पर विश्वास नहीं। यह बात सत्य है कि भारत एक ऐसा देश है जहां विश्व को भी शिक्षा दी जा सकती है, लेकिन इस सबके लिए हमें अपने अंदर विश्वास का भाव जगाना होगा, तभी हम देश का भला कर सकते हैं।

अब जरा सोचिए कि जब एक विदेशी कंपनी ने भारत को गुलाम बना दिया था, तब आज तो देश में हजारों विदेशी कंपनियां व्यापार कर रही हैं। देश किस दिशा की ओर जा रहा है। हम जानते हैं कि अंग्रेजों की परतंत्रता की जकड़न से मुक्त होने के लिए हमारे देश के महापुरुषों ने १९४२ में भारत छोड़ो आंदोलन का शंखनाद किया। इस आंदोलन के मूल में अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर करना था, इसके साथ ही अंग्रेजियत को भी भारत से भगाने की संकल्पना भी इसमें समाहित थी। लेकिन आज यही अंग्रेजियत का विचार ही हमारे पतन का कारण बन रहा है। हर भारतीय चाहता है कि आजादी के ७५ साल बाद ही सही, लेकिन हिन्दुस्तान को २०० वर्षों तक गुलाम रखने वाले अंग्रेजों की अंग्रेजियत का अब भारत से नामो निशान मिट जाना चाहिए। दुनिया हमारे देश को भारत या हिन्दुस्तान के नाम से जाने न कि अंग्रेजों द्वारा दिए गए नाम से।

आज हम जिस इतिहास का अध्ययन कर रहे हैं, वह वास्तव में भारत का इतिहास है ही नहीं, वह तो गुलामी का इतिहास है। वर्तमान में हमको जो इतिहास पढ़ाया जा रहा है, वह अंग्रेजों या मुगलों के शासनकाल का है। इस काल के इतिहास में में भारत कमजोर ही दिखाई देगा। लेकिन अगर इससे पूर्व का इतिहास पढ़ने को मिले तो सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। भारत को जो इंडिया नाम दिया गया, वह अंग्रेजों की कूटनीतिक देन थी। उन्होंने भारत के नाम को ही नहीं पूरी भारतीयता को ही नष्ट करने का प्रयास किया, जिसके चिह्न आज भी हमें दिखाई दे जाते हैं। वास्तव में देखा जाए तो भारत में आज भी विश्व गुरु के सामर्थ्य वाली धमक और झलक है। अगर भारत अपने पुराने मार्ग पर चलना प्रारंभ कर दे तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब भारत पुनः विश्व को मार्गदर्शन देने की मुद्रा में आ जाएगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अमित शाह ने को कहा कि ओडिशा में अच्छे दिन आए हैं

कटक ०८ अगस्त (वार्ता) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि ओडिशा में अच्छे दिन आए हैं क्योंकि उन्होंने लंबी तटरेखा, समृद्ध खनिज भंडार, समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के साथ राज्य के विकास के लिए एक उज्ज्वल भविष्य और विशाल संभावनाएं की परिकल्पना की है। और प्रचुर मात्रा में मानव संसाधन।

शाह ने सोमवार को यहां जवाहरलाल इंडोर स्टेडियम में ओडिया दैनिक प्रजातंत्र के ७५वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कहा, ठअच्छे दिनठ देश में कई ओडिया हस्तियों के साथ ओडिशा आए हैं।

उन्होंने कहा कि ओडिशा की बेटी द्रौपदी मुर्मू अब देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर हैं। देश के सभी गरीब और आदिवासी लोगों को उनकी उपलब्धियों पर गर्व महसूस करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि निर्माण सभा में पूरे देश से सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व था, लेकिन संविधान सभा में एक भी आदिवासी महिला नहीं थी।

लेकिन यह द्रौपदी मुर्मू से भरी हुई थी, जो भारत के राष्ट्रपति बनने के लिए ओडिशा के एक आदिवासी परिवार के गरीब से गरीब व्यक्ति से आती हैं, उन्होंने कहा।

शाह ने दावा किया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री, रेल मंत्री, आदिम जाति कल्याण मंत्री और आरबीआई गवर्नर सभी ओडिशा से हैं, जहां राज्य ने आजादी के बाद ऐसा प्रतिनिधित्व कभी नहीं देखा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच अच्छा समन्वय बनाए रखते हुए

टीम इंडिया देश और राज्य के विकास की योजना बना सकती है जो हमेशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रयास रहता है.

शाह ने कहा कि भगवान जगन्नाथ पूरे देश को पूर्व से पश्चिम तक भक्ति की भावना से बांधते हैं। जब भी ठमैं पश्चिम के तट को छोड़ देता हूं और पूर्व में भूमि लेता हूं तो मैं हमेशा भगवान जगन्नाथ के सामने भूमि पर पैर रखने से पहले झुकता हूंठ।

जब भी मैं ओडिशा में उतरता हूं तो ठभक्ति भावठ की भावना मुझे प्रभावित करती है, यह भगवान जगन्नाथ की भूमि है, शाह ने कहा।

समारोह को संबोधित करने से पहले उन्होंने इंडोर स्टेडियम में विशाल सभा से अपील की कि वे उनके साथ जय जगन्नाथ का नारा लगाएं। उन्होंने सभी स्वतंत्रता सेनानियों को स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय मंत्री ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में हरेकृष्ण महताब के योगदान और अखबार में अपने नियमित कॉलम के माध्यम से समाज की सेवा करने वाले उनके पेपर ठप्रजातंत्रठ की सराहना की।

उन्होंने कहा कि १९४७ में सरदार पटेल ने हरेकृष्ण महताब को लोगों और समाज को एकजुट करने की एक बड़ी जिम्मेदारी दी थी, जिसे उन्होंने प्रजातंत्र में अपने कार्यों और लेखन के माध्यम से बहुत सावधानी से किया।

उन्होंने कहा कि अखबार ने समाज को आकार देने और मानव जाति की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शाह ने प्रजातंत्र की ७५वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में डिजाइन किए गए चित्र पोस्टकार्ड का अनावरण किया।

सेल, आर.एस.पी. के सिंटर प्लांट-२ विभाग के कर्मचारीगण उत्कर्ष पुरस्कार योजना के तहत पुरस्कृत

राउरकेला, एमएस संवाददाता :सेल, आर.एस.पी. के सिंटर प्लांट-२ विभाग के अधिकारियों सहित ८ कार्मिक के एक समूह को उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए उत्कर्ष पुरस्कार योजना के तहत पुरस्कृत किया गया। मुख्य महा प्रबंधक (सिंटर प्लांट), श्री बिश्व रंजन पलाई ने महा प्रबंधक (एस.पी.-२) एवं यूनिट प्रमुख, श्री एस.के.पाढ़ी के साथ हाल ही में आयोजित एक समारोह में उन्हें पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संयंत्र की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए टीम को हॉट न्ट्रीन परीक्षण के लिए एक परीक्षण डेक की स्थापना" परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री पलाई ने इस उद्यमशील कार्य के लिए टीम की सराहना की जिसने प्रभावी रखरखाव में मदद की है जिससे उत्पादन और निष्पादन में सुधार हुआ है।

वरिष्ठ प्रबंधक, श्री अमृत नायक के नेतृत्व में टीम के अन्य सदस्यों में प्रबंधक, श्री राजू सिंह, सहायक प्रबंधक, श्री गजेंद्र कुमार साहू, मास्टर तकनीशियन, श्री रंजन कुमार बारिक, वरिष्ठ तकनीशियन, श्री मनोरंजन गिरी, मास्टर तकनीशियन, श्री भरत कुमार प्रधान, मास्टर तकनीशियन, श्री सुधीर कुमार पंडा और तकनीशियन, श्री धनंजय दास शामिल थे।

कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (एस.पी.-२), श्री संदीप अवस्थी द्वारा किया गया।

ओडिशा हेलमेट रहित सवारियों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू करेगा

भुवनेश्वर: ओडिशा राज्य भर में राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) और राज्य राजमार्गों (एसएच) पर बिना हेलमेट के सवारियों के खिलाफ दो सप्ताह तक चलने वाला विशेष अभियान शुरू करेगा।

राज्य परिवहन सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए अगले १६ अगस्त से बिना हेलमेट सवारियों के खिलाफ अभियान शुरू करेगा।

राज्य में विशेष रूप से NH & SH पर हेलमेट रहित ड्राइविंग व्यापक है, हालांकि यह सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर चोटों और मृत्यु का एक प्रमुख कारण है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वर्ष २०२१ में सड़क हादसों में मोटर चालित दोपहिया वाहनों के सवार (८६८) और पीछे बैठे सवार (४४०) सहित १३०८ लोगों की मौत हुई। इनमें से ज्यादातर हेलमेट नहीं पहने पाए गए। दोपहिया वाहनों की दुर्घटनाओं में कुल १२८० व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए और ७४७ को मामूली चोटें आईं।

परिवहन, सड़क सुरक्षा संयुक्त आयुक्त संजय बिस्वाल ने कहा, "यह देखा गया है कि एनएच / एसएच पर होने वाली दुर्घटनाओं में से कई दोपहिया सवारों से संबंधित हैं।

निरंतर प्रवर्तन गतिविधियों के कारण लोग शहरी क्षेत्रों में हेलमेट का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से उन राजमार्गों पर हेलमेट पहनने से परहेज कर रहे हैं जहां सुरक्षा की अधिक आवश्यकता है, "उन्होंने कहा।

उन्होंने आगे कहा, ठभले ही यह अनिवार्य हो, हेलमेट

ड्राइवर की तरह दुर्घटनाओं के समान जोखिम के बावजूद पिलर सवारों द्वारा शायद ही कभी पहना जाता है।

बिस्वाल ने दुपहिया और पीछे बैठने वालों से यातायात नियमों का पालन करने और अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनने की अपील की।

इससे पहले १५ मई से २१ मई तक न्/एए पर बिना हेलमेट सवारों के खिलाफ कार्रवाई में, प्रवर्तन अधिकारियों ने १०,६६१ दोपहिया सवारों पर जुर्माना लगाया और २५०५ ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कर दिए गए।

३० जुलाई को चलाए गए विशेष अभियान में बिना हेलमेट वाहन चलाने पर १४६९ सवारों का चालान किया गया और ११७ वाहनों को जब्त किया गया।

विशेष अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चलाने वाले तीन सवारों और किशोरों पर भी जुर्माना लगाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विशेष अभियान ३० अगस्त तक चलेगा।

मोटर वाहन संशोधन अधिनियम २०१९ के अनुसार, बिना हेलमेट के सवारी करने पर १,००० रुपये का जुर्माना लगता है। यदि पीछे की सवारी करने वाले व्यक्ति ने हेलमेट नहीं पहना है, तो सवार का ड्राइविंग लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया जाएगा और उसके खिलाफ १,००० रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित रेत कलाकार पद्म श्री पुरस्कार विजेता श्री सुदर्शन पटनायक ने ७ अगस्त २०२२ को पुरी बीच पर एक विशाल रेत कला के साथ महान उद्योगपति, परोपकारी और ओपी जिंदल समूह के संस्थापक श्री ओम प्रकाश जिंदल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मातृशक्ति कटक मारवाड़ी सोसायटी द्वारा निरंतर सेवा कार्य जारी

तलाक एवं टूटते बिखरते परिवार का मुख्य कारण मोबाइल :- संपत्ति मोड़ा

शैलेश कुमार वर्मा.कटक

कटक :- मातृशक्ति कटक मारवाड़ी सोसायटी द्वारा समाज में निरंतर सेवा कार्य जारी रखते हुए कई टूटते बिखरते परिवारों को जोड़ने का कार्य किया है. मातृशक्ति कटक मारवाड़ी सोसायटी द्वारा एक बैठक आयोजित की गई थी जिसमें कई विषयों पर चर्चा की गई. यह बैठक श्रीमती संपत्ति मोडा के अध्यक्षता में समाजहित, लोकहित कार्यों के लिए किया गया. इस बैठक में मुख्य रूप से पति - पत्नी तलाक़ एवं टूटते बिखेरते परिवार कारण - निवारण पर विस्तृत चर्चा हुई. अध्यक्ष सम्पत्ति मोड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के समय में परिवार टूटने एवं बिखरने की पति -पत्नी तलाक़ की समस्या अधिक आ रही है,

उन्होंने आगे कहा कि बातें बहुत ही छोटी छोटी होती हैं, बस आपसी अहंकार की वजह से तलाक़ तक की नौबत आ जाती है। मोबाइल फ़ोन भी एक कारण है अपने ससुराल की छोटी छोटी बातें पीहर वालों से सखियों से शेयर करना इत्यादि.

परिवार में आपस में एक दूसरे की समझदारी एवं प्यार से ही परिवार चल सकता है हम सभी के पास अपने परिवार की खुशियों की चाबी है उसको हम सब मिलकर ही क़ायम रख सकते है.

सचिव संगीता करनानी ने बताया पिछले दो महीने में हमारे पास आठ परिवारों के केस आए जिसमें से पाँच परिवारों को समझाने बुझाने के बाद वो लोग आज साथ में रह रहें हैं, दो परिवारों की अभी भी बात- चित चल रही है, एक का समाधान नहीं हुआ है.

मातृशक्ति कोर्डिनेटोर नीलम साहा ने बताया कि इसमें कुछ परिवारों का समाधान करने में कटक के वरिष्ठ समाजसेवी विजय खण्डेलवाल एवं संजय शर्मा का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है.

को-ऑर्डिनेटर अल्का सिंघी ने अपने सम्बोधन में कहा हमारी सदस्या हमेशा मातृत्व की ममता के साथ सेवा कार्यों में अग्रसर रहतीं हैं कुष्ठ आश्रम में जाकर रोगियों के बीच उनके ज़रूरत का सामान वितरण किया जाता है, इसके अलावा दो कन्या के विवाह की पूरी सामग्री दी गयी. मातृशक्ति की सदस्य तन-मन-धन से कमजोर वर्ग में ज़रूरत मंद के लिए अग्रसर हैं.

इन सभी कार्यों को सम्पादित करने में विशेष कर ऊषा धनावत, कविता जैन, सन्तोष चाँडक ,मंजु सिपानी, कल्पना जैन, रश्मि मित्तल, सरला सिंघी ,रितु अग्रवाल, ज्योति खण्डेलवाल, विमलेश खण्डेलवाल, बिना अग्रवाल, दीप्ति गुप्ता, सुनीता गुप्ता, नीलम मोड़ा,ऊमा देवी,सरोज अग्रवाल,विद्या सांगनेरिया ,अनिता कमानी, रेणु गर्ग , किरण चौधरी, संजू गोयनका,इत्यादि का पूर्ण सहयोग प्राप्त होता है.

अंतिम सोमवारी पर हर हर महादेव से गूंजा शिवालय

राजेश दाहिमा

राजगांगपुर:सावन महीने के अंतिम सोमवारी को शहर सहित वेदव्यास धाम व घोघड़ धाम शिवालयों में जलाभिषेक करने वाले कांवड़ियों की टोली सहित अन्य श्रृद्धालुओं की भीड़ शनिवार तथा रविवार से ही श्रृद्धालुओं की भीड़ उमड़ती हुई नजर आई।

इस कड़ी में वेदव्यास धाम, घोघर धाम, महादेव शाल सहित अन्य शिवालयों में जलाभिषेक करने के लिए श्रृद्धालुओं की भीड़ उमड़ती हुई नजर आई ?।

वहीं दूसरी ओर वेदव्यास धाम से घोघर धाम जाने के रास्ते पर विभिन्न निस्वार्थ सेवा भाव कार्य करने वाली संस्थाओं के द्वारा नाश्ते,खाने पीने की व्यवस्था करने के साथ ही साथ भजन संध्या का भी आयोजन हुआ।

मौके पर स्थानीय पुलिस प्रशासन शांति व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर पुलिस बल विभिन्न स्थानों पर तैनात किए गए थे। वहीं मंदिर कमेटी की ओर से भी भोलेनाथ का श्रृंगार, महाआरती में शामिल होने के लिए उचित व्यवस्था की गई थी।

ओडिशा: फाटक रेलवे स्टेशन को बंद करने के विरोध में सैकड़ों लोगों ने आरडीसी कार्यालय तक मार्च निकाला

संबलपुर : वर्ष १८९३ में स्थापित फाटक स्टेशन के जीर्णोद्धार की मांग को लेकर पश्चिमी ओडिशा के इस शहर में सैंकड़ों लोग सोमवार को फाटक स्टेशन से आरडीसी कार्यालय तक जुलूस में शामिल हुए.

वे जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली रेलवे प्राधिकरण की एकतरफा कार्रवाई का विरोध करते हैं और रेलवे द्वारा फाटक स्टेशन को बंद करने के फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग करते हैं.

प्रदर्शनकारियों ने आरडीसी और जिला कलेक्टर से जनहित में मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया।

सपन कुमार मिश्रा ने कहा, ठकोयला परिवहन के लिए तालचेर-संबलपुर लाइन को दोगुना और तिगुना करने के बहाने रेलवे अधिकारी एक सदी से अधिक पुराने स्टेशन को ध्वस्त करने के इच्छुक हैं।ठ

संबलपुर जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. प्रमोद रथ ने चेतावनी दी, ठलोगों ने रेलवे परियोजनाओं के लिए अपनी जमीन का बलिदान दिया है, लेकिन फाटक स्टेशन को बंद करने के फैसले के लिए मूकदर्शक नहीं खड़े होंगे।ठ

उन्होंने कहा कि अगर रेलवे अधिकारी अपने रुख पर अड़े रहे तो आंदोलन, घेराव, रेल रोको चलेगा।

शांति पूर्ण तरीके से मोहर्रम मनाते हुए भाईचारे की मिसाल कायम करें --जिला प्रशासन

राजेश दाहिमा

राजगांगपुर:सोमवार शाम को स्थानीय डाक बंगला परिसर में जिला प्रशासन की ओर से मोहर्रम को सद्भावना, भाईचारा, शांति पूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के साथ ही साथ संपन्न कराने के लिए एक शांति बैठक का आयोजन जिला एसपी सागरिका नाथ की अध्यक्षता में हुई।

मौके पर शहर के सुप्रसिद्ध विधायक डॉ सीएस राजन एक्का, नगरपाल माधुरी लुगुन, उपनगरपाल एमडी इरफान, पूर्व उपनगरपाल अशोक दास, पूर्व बीजद के टाउन अध्यक्ष अमरेश पंडा, उपजिलाधिकारी अभिमन्यु बेहरा, एसडीपीओ डॉ शंशाक शेखर बेउरा, थाना प्रभारी बिबत्स कुमार प्रधान , मुस्लिम समुदाय के मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष शोएब आलम सहित विभिन्न क्षेत्रों के मुस्लिम समुदाय के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रशासन की ओर से कहा गया कि जिला प्रशासन की गाइडलाइंस को पालन करते हुए मोहर्रम मनाएं और किसी भी अफवाहों के चक्कर में ना जाए। वहीं दूसरी ओर शहर के सुप्रसिद्ध गणमान्य नागरिकों ने भी रामनवमीं महोत्सव का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें इस पर्व को भी मिलजुल कर मनाते हुए भाईचारे की मिसाल कायम रखना होगा और जिला प्रशासन का सहयोग बनाए रखना होगा।

मौके पर एमडी जफफर मोबिन,खालीद भाई, कुतूब रब्बानी, मसूद अमन, एमडी आबिद, एमडी शहजाद, कुलदीप सिंह, शेखर दाहिमा, कांग्रेस टाउन अध्यक्ष देवरंजन विनोद, पूर्व युथ कांग्रेस अध्यक्ष फ?ईम अख्तार, नगरपालिका के पार्षद सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

युपीएमएस कटक शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश जोशी सहित टीम के सदस्यों ने लिया शपथ

कटक :उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, कटक शाखा के आगामी सत्र (२०२२-२४) के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश जोशी एवं टीम का शपथ ग्रहण समारोह प्रांतीय पदाधिकारियों, सम्मेलन के सदस्यों, समाज के गणमान्य व्यक्तियों, मातृशक्ति, मारवाड़ी समुदाय की अनेकों संस्थाओं के पदाधिकारियों, एवं सैकड़ों समाज बंधुओं की स्नेहिल उपस्थिति में शुक्रवार को स्थानीय मारवाड़ी क्लब में संपन्न हुई. सर्व प्रथम गणेश वंदना से मंच संचालक निर्मल पुर्वा ने प्रांतीय अध्यक्ष गोविन्द अग्रवाल, उपाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष पूरूषोतम अग्रवाल, मुख्य चुनाव अधिकारी हनुमान मल सिंघी, कटक शाखा के के पूर्व अध्यक्ष सुरेश कमानी, सत्र २०२२-२४ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश जोशी, विशिष्ट समाजसेवी एवं उधोगपति गणेश प्रसाद कंदोई, कटक मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष किशन मोदी, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष मोहनलाल सिंघी, गीता ज्ञान मंदिर के अध्यक्ष विजय खंडेलवाल, विशिष्ट समाजसेवी देवकीनंदन जोशी को मंचासीन करवाया गया एवं पुष्प गुच्छ एवं उत्तरीय प्रदान कर सम्मानित किया गया. मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ किया गया. कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश कमानी के संक्षिप्त उद्बोधन के पश्चात मुख्य चुनाव अधिकारी हनुमान मल सिंघी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश जोशी के नाम की धोषणा की एवं अपनी चुनाव अधिकारीयों की टीम के साथ उन्हें पुष्प गुच्छ एवं सर्टिफिकेट प्रदान किया. प्रांतीय पदाधिकारियों के संबोधन के पश्चात मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष गोविन्द अग्रवाल ने नये अध्यक्ष को शपथ पाठ करवाया एवं मीमेंटो देकर सम्मानित किया। अपने शपथग्रहण के उपरान्त अध्यक्ष दिनेश जोशी ने सत्र २०२२-२४ की अपनी टीम एवं पदाधिकारियों, उपाध्यक्ष कमल सिकरिया, सचिव सुभाष केडिया, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, संगठन मंत्री बजरंग चिमनका, जनसंपर्क अधिकारी निर्मल पुर्वा, सह मिडिया प्रभारी रविशंकर शर्मा, उपाध्यक्षों एवं सहसचिवों की टीम की घोषणा की,जिन्हें मंडल उपाध्यक्ष पूरूषोतम अग्रवाल ने शपथग्रहण करवाया.

नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश जोशी ने अपने उद्बोधन में, उपस्थित सभी का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए समस्त समाज बंधुओं का उनके तन मन धन से योगदान के लिए बहुत बहुत धन्यवाद एवं साधुवाद ज्ञापन किया. उन्हें सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर चुने जाने पर सभी सदस्यों, पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओं को बहुत बहुत हार्दिक आभार व्यक्त किया एवं आगे भी सम्मेलन के जनहित सेवाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यों में उनके निरंतर योगदान एवं सहयोग के लिए अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं अन्य प्रकल्पों को अपनी टीम के साथ मिलकर सार्थक स्वरूप देने की कोशिश करेंगे. मंचासीन अतिथियों ने अपने अपने उद्बोधन में आशीर्वचन एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उनकी टीम को अपने सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया. उपस्थित मारवाड़ी समुदाय की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, समाज बंधुओं एवं मित्रों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश जोशी एवं टीम को उत्तरीय,शाल, दुपट्टा, पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया और शुभकामनाएं एवं बधाई दी. सम्मेलन कटक शाखा द्वारा मुख्य अतिथि, प्रांतीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को टीम कटक शाखा के द्वारा पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष बिनोद टिबरेवाल एवं गणेश प्रसाद कंदोई से स्मृति चिन्ह प्रदान करवाकर सम्मानित किया गया. पूर्व अध्यक्ष सुरेश कमानी को भी उनके कार्यकाल समापन पर पूरी टीम ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया. नवनिर्वाचित सचिव सुभाष केडिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया एवं राष्ट्र गान के साथ सभा को विराम दिया.

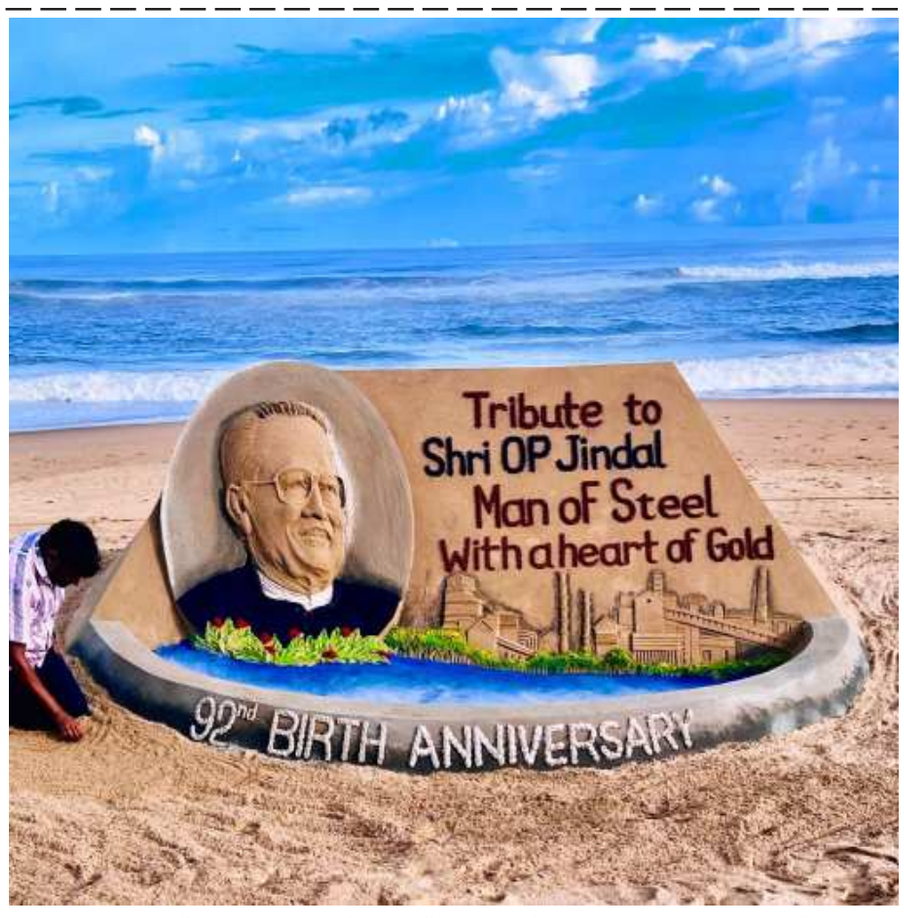

सार समाचार

हिमाचल प्रदेश के चंबा में बादल फटने से एक की मौत, कुछ मकानों को खाली कराया

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में कम से कम दो गांव में बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिसमें 15 वर्षीय लड़के की मौत हो गई और कुछ मकानों को खाली कराना पड़ा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। चंबा जिला आपात अभियान केंद्र (डीईओसी) ने कहा कि भडोगा और खंडवा गांवों में बीती रात अचानक भारी बारिश हुई। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि भडोगा में विजय कुमार (15) की मौत हो गई जबकि कुछ लोग घायल हो गए। खंडवा में शालेई खंडवा नाले पर बने पीडब्ल्यूडी के पुल और कृषि भूमि को नुकसान हुआ है। इस बीच, विभाग ने कहा कि पानी का प्रवाह बहुत ज्यादा होने के कारण पास के गुलेल गांव में पांच मकानों को खाली करा लिया गया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

महोबा में नशीला पदार्थ खिलाकर चोरों ने साईं मंदिर से सोने का मुकुट चुराया

महोबा (उप्र),। महोबा जिले के निसवारा गांव में साईं जी मंदिर से सोने के मुकुट की चोरी का मामला सामने आया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुकुट चारी के संबंध में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। महोबा की पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुधा सिंह ने बताया कि निसवारा गांव में भगवान साईं जी के मन्दिर से पुजारियों को नशीला पदार्थ खिलाकर साईं की मूर्ति से सोने के मुकुट की चोरी का मामला सामने आया। इस संदर्भ में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि मंदिर के पुजारी और सुरक्षा गार्ड को बदमाशों ने नशीला पदार्थ खिलाया और इसके बाद आरोपी मुकुट चोरी कर ले गए, जिसकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। अचेत अवस्था में पुजारियों एवं सुरक्षा गार्ड को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी ने बताया कि निसवारा गांव में आठ साल पहले भव्य श्री साईं मंदिर का निर्माण कराया गया था। जहां प्रतिदिन पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ जुटती है। मंदिर में रात 8:40 बजे आरती के बाद साईं मूर्ति से मुकुट उतारकर कमरे में रख दिया जाता है और शयन के कपड़े पहना दिए जाते हैं। शनिवार रात करीब नौ बजे कुछ भक्त मंदिर पहुंचे और प्रसाद चढ़ाने के बाद दोनों पुजारियों और सुरक्षा गार्ड को प्रसाद खिलाया। इसके बाद चोरी का मामला सामने आया।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत पांच लाख मुस्लिम परिवारों तक पहुंच बनाएगी भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा 12 अगस्त से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत करीब पांच लाख मुस्लिम परिवारों तक पहुंचेगा। राज्य भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष बासित अली ने कहा, 卐हम कम से कम 5 लाख मुस्लिम घरों पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य बना रहे हैं। हम अभियान के दौरान दरगाहों और मदरसों तक भी पहुंचने वाले हैं। उन्होंने कहा, अभ्यास की योजना बनाई जा रही है, क्योंकि दरगाह व्यापक रूप से संदेश फैला सकती हैं। लोग अनिवार्य रूप से मुसलमान, आसानी से दरगाह और मदरसों से जुड़ जाते हैं।卐 पार्टी काडर मदरसों और दरगाहों पर तिरंगा फहराएगा, और अल्पसंख्यकों के बीच पार्टी के राष्ट्रवादी अभियान को गति देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने के लिए फोटो क्लिक करवाएगा। यह कदम उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षाओं की शुरुआत से पहले राष्ट्रगान गाना अनिवार्य किए जाने के दो महीने बाद आया है। इससे पहले, 2017 में सत्ता में आने के तुरंत बाद भाजपा ने मदरसों में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रगान का पाठ और झंडा फहराना अनिवार्य कर दिया था। पार्टी सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उनके बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने पर जोर देने के बाद अभियान के दौरान 'पसमांदा' (मुसलमानों के बीच पिछड़ा समुदाय) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। ऐसा माना जाता है कि पार्टी ने लगभग 50,000 मुस्लिम बहुल बूथों की पहचान की है, जहां वह केंद्र द्वारा शुरू की गई जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता अभियान चलाने की योजना बना रही है। पार्टी का लक्ष्य अपने महत्वाकांक्षी 'हर घर तिरंगा' अभियान से उत्तर प्रदेश में 4 करोड़ से अधिक घरों और सरकारी कार्यालयों को कवर करना है।

बरेली में कावड़ियों पर पथराव के बाद हंगामा, मामला दर्ज

बरेली (उत्तर प्रदेश)। बरेली जिले के हाफिजगंज में कांवड़ियों को टक्कर मारकर भाग रहे मोटरसाइकिल सवार युवकों को पकड़ने की कोशिश के दौरान हंगामा हो गया। पुलिस अधीक्षक (देहात) राजकुमार अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि रविवार देर शाम कांवड़ियों का जत्था हरहरपुर जाने वाले मार्ग से गुजर रहा था। तभी दूसरे समुदाय के दो युवकों की मोटरसाइकिल कांवड़ियों से टकरा गई, जिसके चलते प्रेमपुर गांव के कांवड़ यात्री बुद्धसेन गंगवार और योगेंद्र गंगवार घायल हो गए। अग्रवाल बताया कि आरोप है कि कांवड़ियों ने भाग रहे मोटरसाइकिल सवारों को पकड़ने का प्रयास किया तो दूसरे समुदाय के लोगों ने छत पर से पथराव शुरू कर दिया। कांवड़ियों ने टक्कर मारने वालों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की तथा हाफिजगंज से हरहरपुर मटकली जाने वाले रास्ते को रोक दिया। जब रात आठ बजे तक रास्ता नहीं खुला तो जिलाधिकारी शिवाकांत द्विवेदी वहां पहुंचे। अधिकारी ने कहा कि बाद में विधायक एम.पी. आर्य ने कांवड़ियों को समझाया। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने का आश्वासन मिलने के बाद रात करीब दस बजे कावंड़ यात्री शिवालय की ओर रवाना हुए। उन्होंने कहा कि बाइक के पीछे दौड़ रहे कांवड़ियों पर दूसरे समुदाय के लोगों ने पथराव कर दिया। पथराव में हाफिजगंज के निरीक्षक अजीत प्रताप सिंह और दरोगा हितेश तोमर तथा दो कांवड़िये घायल हो गए। अग्रवाल ने बताया कि प्रेमपुर-मुरारपुर के निवासी सत्येंद्र कुमार की तहरीर पर इकरार अहमद नामक व्यक्ति समेत 13 लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज ने बताया कि कांवड़ियों के जत्थे में शामिल प्रेमपुर के एक युवक की तहरीर पर हाफिजगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस की ओर से भी एक और मामला दर्ज किया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीते 24 घंटे में सामने आए कोरोना के 16167 नए केस –दिल्ली और महाराष्ट्र ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली । देश में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना के 16167 नए केस सामने आए हैं। हालांकि एक दिन पहले के मुकाबले नए मरीजों की संख्या कम है। लेकिन डेली पॉजिटिविटी दर 6.14 फीसदी पर पहुंच गई है। इस दौरान 15,549 मरीज़ कोरोना से ठीक भी हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक एक्टिव मरीजों की संख्या अब 135510 पर पहुंच गई है। दिल्ली में रविवार को कोविड-19 के 2,423 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर 14.97 प्रतिशत दर्ज की गई है। यह संख्या 22 जनवरी के बाद से सबसे ज्यादा है। वहीं संक्रमण की वजह से दो और व्यक्तियों की मौत हो गई। 22 जनवरी को, संक्रमण दर 16.4 प्रतिशत थी। यह लगातार पांचवां दिन है, जब दैनिक मामलों की संख्या 2,000 से ऊपर रही है। लगातार सात दिनों से संक्रमण दर 10 फीसदी से ऊपर बनी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में कहा गया है कि रविवार को नए मामले पिछले दिन किए गए 16,186 कोविड????-19 जांच से सामने आए। कोविड-19 के नए मामलों के साथ ही दिल्ली में कुल मामलों की संख्या बढ़कर 19,69,527 हो गई है, जबकि मृतकों की संख्या 26,330 हो गई है।

दिल्ली में एक्टिव मामलों की संख्या 8,048 है, जो पिछले दिन 7,349 थी। बुलेटिन में कहा गया है कि 5,173 मरीज घर पर क्वारंटीन हैं। महाराष्ट्र में रविवार को कोविड-19 के 1,812 नए मामले सामने आए, जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 80,59,732 हो गई। वहीं, संक्रमण से एक व्यक्ति की मृत्यु होने से मृतक संख्या बढ़कर 1,48,139 हो गई है। एक दिन पहले महाराष्ट्र में कोविड-19 के 1,931 मामले आए थे और नौ मरीजों की मृत्यु हुई थी। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि राज्य में बीए.2.75 के 16 मरीज और बीए.4 के तीन और उसके वेरिएंट के 5 मरीज मिले हैं।बीए.4 और बीए.5 रोगियों की संख्या बढ़कर 275 और बीए.2.75 रोगियों की संख्या 250 हो गई है। महाराष्ट्र में वर्तमान में 12,011 उपचाराधीन मरीज हैं।

जम्मू कश्मीर में रविवार को कोविड-19 के 708 नए मामले सामने आए, जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,69,749 हो गई। ओडिशा में रविवार को कोविड-19 के 730 नए मामले मिले और दो मरीज़ों ने दम तोड़ दिया। ओडिशा के स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक,राज्य में नए मामलों के साथ अब तक संक्रमित हुए मरीज़ों की संख्या 13,18,875 तक पहुंच गयी। रविवार को सामने आए मामलों में 130 बच्चे शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि वहीं दो मरीज़ो की मौत के बाद मृतकों की आंकड़ा 9,148 तक पहुंच गया। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में सबसे अधिक 157 मामले मिले हैं। इसके बाद खुर्दा जिले में 96 मरीज़ सामने आए।

'एक पार्टी परिवारवाद करते है, दूसरी दोस्तवाद', भाजपा-कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केजरीवाल बोले- हम भारतवाद लेकर आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज भाजपा पर एक बार फिर से बड़ा हमला किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से देश में ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि गरीबों को, आम लोगों को, मिडिल क्लास को जो केंद्र सरकार और राज्य सरकार सुविधाएं मुफ्त में देती हैं, उसे बंद की जाए। उससे सरकारों को घाटा हो रहा है। कोई इसे फ्री की बीज बता रहा है कोई इसे फ्री की रेवड़ी बता रहा है। उन्होंने दावा किया कि माहौल बनाया जा रहा है कि देशभर के सरकारी स्कूलों में जो बच्चों को सीख मुफ्त में शिक्षा दी जाती है, वह बंद की जाए। उन्होंने कहा कि देश आजादी का 75 वर्षगांठ मना रहा है और इस मौके पर ऐसा सुनते हैं तो दिल को तकलीफ होती है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा मौका है जब हम सबको इस बात की प्लानिंग करनी चाहिए थी कि 75 साल में जो कमी रह गए वह अब दूर किया जाए। ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि सारे सरकारी अस्पतालों के अंदर फ्री की चिकित्सा बंद की जाएगी।

भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया गया। कहा जा रहा है कि इनमें से कुछ उनके दोस्त भी हैं। कोई इसके बारे में बात नहीं कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकारी पैसे इनके दोस्तों के माफ करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी खाद्य वस्तुओं पर जीएसटी बढ़ा दिया। आम आदमी मरे लेकिन दोस्तों के टैक्स माफ कर दिया। उन्होंने दावा किया कि दुनिया में उन्हें 40 से देश ऐसे हैं जो अपने बच्चों को फ्री और अच्छी शिक्षा देते हैं। उन्होंने दावा किया कि इनमें से कोई भी देश अपने दोस्तों का टैक्स माफ नहीं करता। दुनिया में ऐसे कई देश है जो अपने लोगों को फ्री में पानी देते हैं। 9 देशों में स्वास्थ्य सुविधाएं फ्री में है। लेकिन इनमें से कोई दोस्त अपने दोस्तों के कर्जे माफ नहीं करता। उन्होंने दावा किया कि ये देश अमीर इसलिए नहीं बने क्योंकि उन्होंने अब अपने दोस्तों का कर्ज माफ किया। बल्कि अमीर इसलिए बने क्योंकि उन्होंने लोगों को अच्छी सुविधाएं दी और बच्चों को अच्छी शिक्षा दी।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने इसके साथ ही मांग भी किया कि देश में हर वर्ग के बच्चों के लिए अच्छी और शानदार शिक्षा मुफ्त में होनी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसको फ्री के रेवड़ी बोलने वाले देश के गद्दार हैं। उन्होंने देश के हर परिवार के लिए 300 मुफ्त बिजली और फ्री इलाज की भी मांग कर दी। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि जब तक किसी को रोजगार ना मिल जाए उस बेरोजगार युवा को रोजगार भत्ता मिले। उन्होंने दावा किया कि जिन लोगों ने अपने दोस्तों के कर्ज माफ किए, उसको लेकर कानून लाया जाए और इनको देश का गद्दार घोषित किया जाए। भाजपा और कांग्रेस पर सीधे तौर पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पहले यह उनके दोस्त थे। अब इनके दोस्त हैं। उन्होंने इसकी भी मांग की कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि जिन लोगों के कर्जा माफ किए गए हैं, उन्होंने इनकी पार्टी को कितना चंदा दिया है। उन्होंने दावा किया कि एक पार्टी है जो परिवारवाद करती है, एक पार्टी दोस्तवाद करती है। लेकिन हम इस देश में भारतवाद करेंगे।

संजय राउत को झटका, अदालत ने 22 अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेजा

मुंबई । मुंबई की अदालत ने सोमवार को पात्रा चाल मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत को 22 अगस्त तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पिछले गुरुवार को अदालत ने राउत की ईडी हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ाई थी। जबकि ईडी ने शिवसेना नेता से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में उल्लेखनीय प्रगति की थी। ईडी ने तब आठ दिनों के लिए उसकी और हिरासत मांगी थी। दावा किया गया कि राज्यसभा सदस्य राउत को पहले सामने आए 1.06 करोड़ रुपये के अलावा 1.17 करोड़ रुपये अपराध की आय का लाभार्थी पाया गया। शिवसेना नेता को 1 अगस्त को उपनगरीय गोरेगांव में पात्रा चॉल (पंक्ति मकान) के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने बताया था कि जांच के दौरान जब्त दस्तावेजों से साफ होता हैं, कि राउत द्वारा पड़ोसी रायगढ़ जिले के अलीबाग में संपत्तियों की खरीद में पर्याप्त नकद लेनदेन शामिल था। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि राउत की पत्नी वर्षा राउत के बैंक खाते में 1.08 करोड़ रुपये पाए गए। ईडी ने शनिवार को मामले के सिलसिले में वर्षा राउत से नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया। इसी बीच शिवसेना के मुखपत्र सामना ने संजय राउत का साप्ताहिक कॉलम रोक-ठोक को प्रकाशित किया गया। अब इस कॉलम के छपने के बाद उनकी मुसीबत बढ़ सकती है। ईडी ने इसकी जांच शुरू कर दी है कि जब राउत में हिरासत में हैं, तब उन्होंने सामना का लिए कॉलम कैसे लिखा? बता दें कि मुंबई की एक चॉल के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में ईडी ने रविवार को राउत के घर पर नौ घंटे तक छापेमारी करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। अधिकारियों ने कहा कि छापेमारी के दौरान मिली 11.5 लाख रुपये की नकदी को जब्त कर लिया गया है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश बनाना हमारा संकल्प

-सीएम शिवराज बोले- अपने घरों में अवश्य लगाएं तिरंगा

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रावण मास के आखिरी सोमवार को पशुपतिनाथ के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे मंदसौर के पशुपतिनाथ जी के दर्शन हुए। मैं नगर और क्षेत्र वासियों के साथ आज शाही सवारी में भी जाकर उनको प्रणाम करूंगा। भगवान पशुपतिनाथ जी से यही प्रार्थना है कि हम आजादी के इस अमृत काल में अमृत महोत्सव के सारे लक्ष्यों को पूरा कर पाएं। हर हर महादेव।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और देश की जनता साथ मिलकर देश को आगे बढ़ाए। भारत लोकतंत्र की जननी है। आज पूरे दुनिया में गर्व के साथ हमारा देश खड़ा हुआ है। कई मोर्चों पर हम दुनिया का नेतृत्व भी कर रहे हैं भारत फिर से विश्वगुरु बने।

उन्होंने कहा कि जनता जनार्दन से अपील है कि आजादी के 75वें वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया है कि 13 से 17 अगस्त तक हम सबको हर घर तिरंगा फहराना है, तथा राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना का प्रकटीकरण करना है। अतः हम सब अपने अपने घरों में तिरंगा अवश्य लगाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए एक महायज्ञ चल रहा है। आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश बनाना हमारा संकल्प है। उस संकल्प को हम पूरा कर पाएं, जनता सुखी रहे, सभी निरोगी हों, सबका मंगल हो, सबका कल्याण हो।

चिराग पासवान का आरोप, दूसरे का घर तोड़ने वाले के घर में ही आज फूट हो गई

पटना (एजेंसी)।

जनता दल यूनाइटेड के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रहे रामचंद्र प्रसाद सिंह के इस्तीफ के बाद नए अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने प्रेसवार्ता कर कई बड़े आरोप लगाए। वहीं जेडीयू की तरफ से ललन सिंह के चिराग मॉडल वाले बयान पर लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने पलटवार किया है। चिराग ने कहा मैं सकारात्मक राजनीति करता हूं। किसी का कोई मॉडल नहीं हूं। दूसरे का घर तोड़ने वाले के घर में ही आज फूट हो गई है। बेहतर होगा कि वे कारणों को बाहर चौराहे पर ना तलाशें।

लोजपाके पूर्व प्रमुख पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए कहा कि यह उनके लिए 'आत्मनिरीक्षण' करने का समय है क्योंकि 'बिहार के मुख्यमंत्री ने अपने व्यक्तिगत लाभ के अलावा कभी कुछ नहीं सोचा है। पासवान ने बिहार में नीतीश कुमार के सात निश्चय कार्यक्रम पर आगे सवाल उठाए और उन्हें बहस के लिए चुनौती दी। नीतीश ने अपने निजी फायदे के अलावा कभी कुछ नहीं सोचा... वह अपने मकसद के मुताबिक जंगल राज को भूल जाते हैं। उन्होंने कहा, 'नीतीश को सोचना चाहिए कि इतिहास उनके साथ कैसा व्यवहार करेगा। क्या वह चाहते हैं कि उन्हें 'पलटू राम' के रूप में याद किया जाए।

विशेष रूप से बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की एक महत्वपूर्ण बैठक को छोड़ने का फैसला करने के बाद भाजपा और जद (यू) के बीच दरार की ताजा अफवाहों को हवा दी। लगभग तीन सप्ताह में उनकी चौथी केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक थी जिसमें कोई प्रतिनिधि ने हिस्सा नहीं लिया।

पाकिस्तानी युद्धपोत भारतीय सीमा में आया, इंडियन कोस्टल गार्ड ने वापस पीछे लौटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान अपनी साजिशों से बाज नहीं आता है। वह लगातार भारत को कभी जमीन पर,कभी जल में घेरने की कोशिश करता है। लेकिन यह बात तो सच है कि उसे हर बार मुंह की खानी पड़ती है। इसी कड़ी में फिर से भारतीय सीमा में पाकिस्तानी घुसपैठ को नाकाम किया गया है। इस बार पाकिस्तानी युद्धपोत भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। लेकिन उसके नापाक मंसूबों पर इंडियन कोस्ट गार्ड के जवानों ने पानी फेर दिया। दरअसल, समुद्री लहरों का फायदा उठाकर पाकिस्तानी युद्धपोत भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। तभी वह इंडियन कोस्टल गार्ड के समुद्री निगरानी विमान डोर्नियर के रडार पर आ गया। जैसे ही तटरक्षक बलों को इसका सिग्नल मिला, वे सक्रिय हुए और पाकिस्तानी युद्धपोत को सबक सिखाने की तैयारी में जुट गए। मजबूरन पाकिस्तानी युद्धपोत को वापस अपने सीमा में लौटना पड़ा। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब पाकिस्तान की ओर से भारतीय जल क्षेत्र में इस तरह की हिमाकत की गई है। इससे पहले भी पाकिस्तान लगा था इस तरह की हिमाकत करता रहता है और हर बार पाकिस्तान को करारा जवाब भी मिलता है। भारत में अपने जल क्षेत्र में भी जबरदस्त पहरा लगा रखा है। आलम तो यह भी है कि गुजरात के पास भारतीय समुद्री सीमा के 5 मिल के इलाके में किसी भी मछुआरे को भी प्रवेश की अनुमति नहीं मिलती है। भारतीय नौसेना इसको लेकर काफी सख्त है। जानकारी के मुताबिक जैसे ही पाकिस्तानी युद्धपोत डोर्नियर के रडार पर आया, उसने अपने कमांड सेंटर को इस बारे में सूचित भी कर दिया। डोर्नियर की ओर से एक चेतावनी भी जारी की गई, उसे हर हाल में लौटने को कहा गया। लेकिन पाकिस्तानी युद्धपोत पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। डोर्नियर लगातार पाकिस्तानी युद्धपोत की गतिविधियों पर नजर बनाए रखा।

महाराष्ट्र में आज होगा मंत्रिमंडल विस्तार,

-शिंदे-फडणवीस सरकार में 20 से ज्यादा मंत्री ले सकते हैं शपथ

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में मंगलवार को बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार हो सकता है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र में कम से कम 20 मंत्री मंगलवार को शपथ ले सकते हैं। इससे पहले जो जानकारी थी उसके मुताबिक 15 अगस्त से पहले महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। हालांकि, मंगलवार को लेकर अब ज्यादा संभावनाएं जताई जा रही है। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र 10 अगस्त से लेकर 18 अगस्त के बीच होने की संभावना है। ऐसे में कोशिश कयास यह है कि 10 अगस्त से पहले मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। 15 अगस्त से पहले मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर यह दावा किया जा रहा था कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रभारी मंत्री अपने-अपने प्रभारी जिलों का दौरा कर सकते हैं।

इसके साथ ही आने वाले दिनों में महाराष्ट्र में गणेश चतुर्दशी का त्यौहार है। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद इसको लेकर की जाने वाली तैयारियों पर ज्यादा ध्यान दिया जा सकता है। विपक्ष की ओर से लगातार यह दावा किया जा रहा है कि महाराष्ट्र में दो व्यक्तियों की सरकार है। इसी बहाने विपक्ष एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस पर जमकर निशाना विशाल रहा है। हालांकि, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे लगातार इस बात का दावा करते रहे हैं कि सरकार का काम किसी भी तरीके से प्रभावित नहीं हो रहा है। खुद वह और उपमुख्यमंत्री लगातार सरकार के कामों का निर्णय ले रहे हैं और राज्य में विकास को आगे बढ़ाया जा रहा है। कयास तो यह भी लगाए जा रहे थे कि मंत्रिमंडल विस्तार इसलिए भी रुका हुआ है क्योंकि सरकार गठन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी चल रही है।

हालांकि उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ तौर पर इस बात से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कोई लेना-देना नहीं। इसके साथ ही देवेंद्र फडणवीस ने अजीत पवार पर भी निशाना साधा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अजित पवार भूल गए हैं कि उनके समय में 32 दिन तक सिर्फ पांच मंत्री रहे हैं। फडणवीस ने पत्रकारों द्वारा बार-बार पूछे गए सवालों के जवाब में कहा कि आपकी सोच से पहले महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। आपकों बता दें कि शिवसेना में बगावत के कारण उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के बाद शिंदे और फडणवीस ने क्रमशः 30 जून को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

झारखंड में सूखे-जैसे हालात से निपटने के लिए सोरेन ने नीति आयोग से की विशेष पैकेज की मांग

रांची/नयी दिल्ली, (एजेंसी)।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में सूखे-जैसी स्थिति से निपटने के लिए रविवार को नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक के दौरान केंद्र सरकार से विशेष पैकेज की मांग की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से यहां जारी बयान में यह जानकारी दी गयी। सीएमओ के बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सोरेन ने कहा कि सिंचाई सुविधाओं की कमी के कारण राज्य हर तीन से चार साल में सूखे का सामना करता है।

बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया है, ''इस साल, राज्य में अब तक 50 फीसदी कम वर्षा दर्ज की गई है, जिसमें धान की बुवाई के लक्ष्य का 20 प्रतिशत से भी कम हासिल किया जा सका है। झारखंड सूखे की ओर अग्रसर है। मैं केंद्र से अनुरोध करता हूं कि स्थिति से निपटने के लिए झारखंड के वास्ते एक विशेष पैकेज की मंजूरी दी जाए।'' उन्होंने राज्य में सिंचाई सुविधाओं के विकास के लिए भी पैकेज की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''राज्य में सिंचाई सुविधाओं की भारी कमी है। मौजूदा सुविधाएं केवल 20 प्रतिशत भूमि को कवर कर सकती हैं।

पांच लाख हेक्टेयर खरीफ भूमि 'ऊंचाई वाली' श्रेणी में आती है। यदि ऐसे भूखंडों को सिंचाई की सुविधा प्रदान की जाती है, तो फसलों का विविधीकरण किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा ने हाल में आदिवासी छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के दरवाजे खोलने के वास्ते पंडित रघुनाथ मुर्मू आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि छात्रों को न्यूनतम ब्याज दर पर ऋण प्रदान करने के लिए राज्य में जल्द ही एक क्रेडिट कार्ड योजना लागू की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने झारखंड में खनन राजस्व में से अधिक हिस्सा मांगा है। सोरेन ने कहा, ''राज्य को अब तक खनन कंपनियों से 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया नहीं मिला है, जिसका उपयोग लोगों के कल्याण के लिए किया जा सकता था।'' सोरेन ने कहा कि बागवानी के क्षेत्र में विस्तार के लिए बिरसा हरित ग्राम योजना लागू की है। इस योजना के क्रियान्वयन से जहां राज्य के गरीब किसान परिवारों को आजीविका का स्थायी अवसर दिया जा रहा है, वहीं एक बड़े क्षेत्रफल में परती टांड भूमि का बेहतर प्रबंधन एवं उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

पति को कराएं

बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

आप संवरिए

लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींकें आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

दो सौतेली बहनों ने सोशल मीडिया पर की लड़ाई, पिता पर लगाए आरोप, जमकर वायरल हो रहा पोस्ट

वाशिंगटन। दो सौतेली बहनों की लड़ाई सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। एक पोस्ट से शुरू हुई ये बात अब पारिवारिक झगड़े में तब्दील हो गई है। बता दें कि लड़ाई उस वक्त बढ़ी जब बड़ी बहन बेला ने ट्वीटर पर अपने दो जन्म प्रमाण पत्र की जानकारी शेयर की और बताया कि उसके पास दो बर्थ सर्टिफिकेट इसलिए है क्योंकि उसके पिता ने बेला की मां को नुकसान पहुंचाने के लिए उसका असली बर्थ सर्टिफिकेट जब्त कर लिया था। इस कारण से मेरी मां ने मेरा नया बर्थ सर्टिफिकेट बनाया। बड़ी बहन के इस ट्वीट के तुंरत बाद उसकी छोटी 'सौतेली बहन बेकर ने ट्वीट का जवाब दिया और अपनी बड़ी सौतेली बहन पर अपने पिता को इस मामले में घसीटने का आरोप लगाया। उसने खुलासा किया कि उनके पिता को बड़ी बहन और उसकी मां से कोई लेना-देना नहीं हैं। छोटी बहन ने आगे कहा 卐इसलिये मेरे पिता कहते है कि एक पत्नी से विवाह करो, तो तुम्हारे दिन बहुत लंबे रहेंगे卐। मुझे दुख है कि तुम्हें एक बहन के रूप में मैनें जाना। कुछ टिवटर यूजर्स ने ड्रामा देखकर छोटी बहन को लताड़ा और कहा कि उसकी बड़ी सौतेली बहन ने न तो उसका और न ही उनके पिता का जिक्र किया है।उन्होंने छोटी बहन को यह भी याद दिलाया कि उसकी मां दूसरी पत्नी है इसलिए वह पुरुषों के केवल एक पत्नी से शादी करने के बारे में टिप्पणी करने को लेकर गलत है।

ताइवान पर दबाव बनाने के लिए चीन का सैन्य अभ्यास अब भी जारी

बीजिंग। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की यात्रा के चार दिन बाद रविवार को भी ताइवान के आसपास चीन का सैन्य अभ्यास जारी रहा। चीनी सेना ने कहा कि इसका उद्देश्य लंबी दूरी के हवाई और जमीनी हमलों का अभ्यास करना है। हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि रविवार के बाद भी यह अभ्यास जारी रहेंगे या नहीं। ताइवान ने कहा है कि उसे ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास चीनी विमानों, जहाजों और ड्रोन के संचालन के बारे में लगातार जानकारी मिल रही है। ताइवान जलडमरूमध्य चीन और ताइवान को अलग करता है। इस बीच, ताइवान की सरकारी सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि ताइवान की सेना चीनी सेना के अभ्यास के जवाब में मंगलवार और बृहस्पतिवार को दक्षिणी पिंगतुंग काउंटी में अभ्यास करेगी। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है। साथ ही वह लंबे से कहता रहा है कि जरूरत पड़ी तो वह बलपूर्वक ताइवान को अपनी मुख्य भूमि में मिला सकता है। वह विदेशी अधिकारियों के ताइवान दौरे का विरोध करता रहा है। चीन पेलोसी की यात्रा से नाराज है, जो बुधवार को ताइवान से जा चुकी हैं। लगभग 25 वर्ष के बाद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के किसी वर्तमान अध्यक्ष की यह पहली ताइवान यात्रा थी।

चीन के इस शहर में फंसे हुए है 80 हजार से ज्यादा टूरिस्ट, विदेश से आने वाली सभी फ्लाइटें की रद्द

बीजिंग। साल 2019 में चीन के वुहान से शुरू हुआ कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में तहलका मचाया। यह पहला देश है जहा कोरोना के मामले सामने आए थे। कुछ दिनों बाद इस वायरस ने पूरी दुनिया में महामारी फैला दी। हालांकि, अब प्रकोप कुछ कम है लेकिन चीन में कोरोना के मामले थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। बता दें कि चीन के एक शहर में एक बार फिर से कोरोना के मामले बढ़ गए हैं और इसी को देखते हुए सरकार ने पूरे शहर में लॉकडाउन लागू कर दिया है। चीन के जिस शहर में लॉकडाउन लगाया गया है वो रिसॉर्ट शहर है। बढ़ते कोरोना के मामले को देखते हुए सरकार ने अचानक इस शहर में लॉकडाउन की घोषणा कर दी और इससे वहां रह रहे 80 हजार से ज्याजा टूरिस्ट फंस गए है। चीन के सान्या शहर में रविवार को 483 कोरोना के मामले आए थे जिसको देखते हुए पूरे शहर में लॉकडाउन लगा दिया गया। अधिरकारियों के मुताबिक, अगर टूरिस्ट की 7 दिनों में 5 पीसीआर रिपोर्ट निगेटिव आती है तो वो अपने देश वापस जा सकते हैं। जब तक कोविड प्रतिबंधों में छूट नहीं दी जाती तब तक शहर के सभी होटल टूरिस्ट को 50 प्रतिशत की छूटी देने का सरकार ने फैसला किया है। लॉकडाउन के अलावा चीन ने विदेश से आने वाली सभी फ्लाइटें रद्द कर दी है। ट्रेन के टिकट भी मिलने बंद हो गए हैं। सबकुछ बंद होने से स्थानीय निवासी समेत टूरिस्ट की परेशानी बढ़ गई है। सोशल मीडिया के जरिए लोग चीन की सरकार ने लोगों से कोरोना से छुटकारा पाने और हालात समझने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के शहर सान्या के डिप्टी मेयर ने बताया कि 80 हजार टूरिस्टों को तभी छूट मिल सकती है जब तक की 48 घंटे के अंदर उनकी पीसीआर रिपोर्ट निगेटिव नहीं आ जाती। इससे वह दुसरे लोगों से सुरक्षित रहेंगे। कोरोना के कारण चीन के कई शहरों में लॉकडाउन लगा दिया गया है और इससे देश की आर्थिक स्थिति पर भी गहरा असर पड़ रहा है। चीन का टूरिज्म सेक्टर भी काफी नीचे चल गया है। चीन में कोरोना का बीए 5.1.3 वैरिएंट आया हुआ है जो पहली बार मिला है। इसका संक्रमण दर कम समय में ज्यादा बढ़ गया है। अधिकारियों ने पूरे शहर में गाइडलाइंस फॉलो करने की अपील की है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट से लेकर लोगों की आवाजाही पर पाबंदी लगा दी गई है।

एडॉल्फ हिटलर की कलाई घड़ी 11 लाख डॉलर में बिकी, यहूदी नेताओं ने जताई आपत्ति

चेसापीक सिटी (अमेरिका)।अमेरिका में मैरीलैंड के एक नीलामी संगठन ने एडॉल्फ हिटलर की एक कलाई घड़ी को 11 लाख डॉलर में बेचा है। चेसापीक सिटी में ऐतिहासिक वस्तुओं की नीलामी करने वालेअलेक्जेंडर हिस्टॉरिकल नीलामी ने घड़ी को 'ऐतिहासिक दृष्टि से द्वितीय विश्व युद्ध के अवशेष' के रूप में वर्णित करते हुए इसकी कीमत 20 से 40 लाख डॉलर के बीच लगाई थी। मीडिया में प्रकाशित कुछ रिपोर्टों के मुताबिक यहूदी नेताओं और अन्य लोगों ने इस सप्ताह घड़ी की नीलामी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इसका कोई ऐतिहासिक मूल्य नहीं था। नीलामी संगठन ने कहा कि एक फ्रांसीसी सैनिक ने घड़ी को चार मई, 1945 को युद्ध की लूट के रूप में जब्त किया था।

ईरान में जमीन को लेकर हुए झगड़े में 10 मजदूरों की चाकू मारकर हत्या

तेहरान । ईरान में जमीन को लेकर हुए झगड़े के बाद खेत में काम करने वाले 10 मजदूरों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मामले में अफगानिस्तान के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। ईरानी मीडिया की खबर में दी गई जानकारी के मुताबिक ये घटना दक्षिण-पूर्वी ईरान के एक सुदूर गांव की है। रविवार को हुई घटना में चार ईरानी और अफगानिस्तान के छह लोग मारे गए थे। वहीं एक अन्य मजदूर घटना में घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ईरान में दशकों से पड़ रहे सूखे की समस्या के कारण जल संसाधनों के साथ ही पानी की बेहतर पहुंच वाली जमीनों को लेकर भी विवाद बढ़ गए हैं। ईरान के एक सुदूर गांव में हुई ये हिंसा इस्लामिक गणराज्य में दुर्लभ घटना बताई जा रही है। खबरों में कहा गया कि मुताबिक आरोपी मानसिक रूप से असंतुलित शख्स है। ईरान में हाल के वर्षों में हिंसक अपराधों में वृद्धि हुई है क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण देश की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। जिससे महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती ही जा रही है। मई में ईरान के सरकार के स्वामित्व वाले सबसे बड़े वित्तीय समूहों में से एक से निकाल दिए गए एक कर्मचारी ने पश्चिमी ईरान में अपने पूर्व कार्यस्थल पर गोलीबारी की। जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हुए।

रुस में निजी सेना वैगनर की भर्ती के लिए लगे पोस्टर

मॉस्को। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद चल रही लड़ाई में रूस की निजी सेना वैगनर खुलकर सामने आ गई है। वैगनर ने कई शहरों में भर्ती के पोस्टर लगाए हैं। जबकि भाड़े के सैनिकों के संगठन की आधिकारिक मौजूदगी से इनकार किया है। लेकिन अब ये रूस में खुले तौर पर भर्ती कर रहा है। रूसी येकातेरिनबर्ग शहर में तीन होर्डिंग्स सामने आए हैं, जिसमें निजी सैन्य ठेकेदार वैगनर ने भर्ती का विज्ञापन दिया है। पोस्टर में लिखा है, मातृभूमि, सम्मान, रक्त, बहादुरी, वैगनर. एक अन्य पोस्टर के बारे में स्थानीय लोगों ने कहा कि उस पहली बार जुलाई की शुरुआत में शहर के बाहरी इलाके में दिखाई दिया। उसमें सैन्य वर्दी में तीन पुरुषों को दिखाया गया है। इस तरह कई रूसी शहरों में देखे जा सकने वाले ये होर्डिंग वैगनर ने यूक्रेन की जंग में अपनी सेना में शामिल होने के लिए सैनिकों की भर्ती के लिए लगाए हैं। रूस ने पांच महीने पहले यूक्रेन पर अपना हमला शुरू किया था, तब एक गुप्त भाड़े के संगठन के तौर पर वैगनर की चर्चा जरूर थी लेकिन अब ये तेजी से अपना सार्वजनिक तरीके से विस्तार करने लगा है। ऐसा लगता है कि वैगनर ने तय कर लिया है कि वह अब अपने अस्तित्व को छिपाने की कोशिश नहीं करेगा।

चीन में पुलिस अधिकारी करोना संक्रमण को देखते हुए वाहनों को रोकते हुए।

कोरोना की वजह से चीन की चिंता फिर बढ़ने लगी, पूरे शहर में लगा दिया गया लॉकडाउन

निया में कोरोना का सबसे पहला मामला चीन में ही दर्ज हुआ था। जिसके बाद ये धीरे धीरे इस जानलेवा वायरस ने पूरी दुनिया को अपना शिकार बना लिया। बाद के हालात से हम सभी भलि-भांति वाकिफ हैं। लेकिन अब कोरोना का कहर थमने लगा है। लेकिन चीन की चिंता फिर से बढ़ने लगी है। चीन एक एक शहर में कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं। जिसके बाद चीन की सरकार ने पूरे शहर में ही लॉकडाउन लगा दिया है। दक्षिणी चीन के हैनान प्रांत में कोविड-19 के 259 नए मामले सामने आए हैं। इस प्रांत में महामारी से जुड़ी पाबंदियों के कारण करीब 80,000 पर्यटक फंस गए हैं। प्राधिकारियों ने हैनान के तटीय शहर सानया को शनिवार को कोविड-19 का 'हॉटस्पॉट' घोषित किया था, जिसका मतलब है कि वहां संक्रमण के मामले ज्यादा हैं। उन्होंने शहर में लॉकडाउन लगा दिया, जिससे चीनी नागरिक और पर्यटक अपने-अपने होटलों में कैद हो गए। प्राधिकारियों के मुताबिक, सानया से जाने के इच्छुक पर्यटकों को सात दिनों तक पांच पीसीआर जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित न पाए जाने की रिपोर्ट दिखानी होगी। चीन में सोमवार को स्थानीय स्तर पर संक्रमण के 324 नए मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही देश में कोरोना वायरस से संक्रमित 483 ऐसे मरीज मिले, जिनमें संक्रमण के लक्षण नहीं थे। चीन बड़े पैमाने पर आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव के बावजदू कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कड़ी पाबंदियां लगा रहा है।

चीन के खिलाफ एक जुट हुए अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान, कहा- तुरंत बंद करें सैन्य अभ्यास

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने चीन से अपना सैन्य अभ्यास तत्काल रोकने का आग्रह किया। तीनों देशों ने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा ने नोम पेन्ह में दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर मुलाकात करने के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया। बयान में कहा गया है, ''विदेश मंत्रियों ने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव कम करने के महत्व को लेकर आसियान के बयान की सराहना की।'' विदेश मंत्रियों ने कूटनीति की आवश्यकता पर जोर देते हुए बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास करने सहित 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' (पीआरसी) की उन हालिया कार्रवाइयों पर चिंता व्यक्त की, जो अंतरराष्ट्रीय

शांति और स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं।

संयुक्त बयान में कहा गया है, ''उन्होंने पीआरसी द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किए जाने की निंदा की। जापान सरकार ने बताया है कि इनमें से पांच मिसाइल उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरीं। इन प्रक्षेपणों से तनाव बढ़ा है और क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हुई है। विदेश मंत्रियों ने पीआरसी से सैन्य अभ्यासों पर तत्काल रोक लगाने का आग्रह किया।'' विदेश मंत्रियों ने स्पष्ट किया कि जहां 'एक चीन नीति' लागू है, उसके संबंध में और ताइवान को लेकर ऑस्ट्रेलिया, जापान या अमेरिका के मूल रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए त्रिपक्षीय साझेदारी को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। चीन ने इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद यह कहते हुए सैन्य अभ्यास शुरू किया था कि उनकी यात्रा ने 'एक चीन नीति' का उल्लंघन किया है। गौरतलब है कि ताइवान पर चीन अपना दावा जताता है और उसने धमकी दी है कि जरूरत पड़ने पर वह बलपूर्वक इस द्वीप को अपने कब्जे में ले लेगा।

पाकिस्तान: सेना के बारे में दुष्प्रचार करने वालों का पता लगाएगी एफआईए

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की संघीय अन्वेषण एजेंसी (एफआईए) ने सोशल मीडिया पर सेना के बारे में दुष्प्रचार में शामिल लोगों का पता लगाने और उनकी धरपकड़ करने के लिए चार सदस्यीय टीम का गठन किया है। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने कथित रूप से दावा किया था कि सेना ने सहानुभूति हासिल करने के लिए हाल ही में हुए एक हेलीकॉप्टर हादसा का षड्यंत्र रचा था, जिसमें छह वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई थी। एक अगस्त को बलूचिस्तान प्रांत में बाढ़ राहत अभियान के दौरान खराब मौसम के कारण पाक सेना का एमआई-17 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

हादसे में एक शीर्ष जनरल और पांच वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की जान चली गई थी। दुर्घटना के बाद कुछ ट्वीट किए गए थे, जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तानी सेना ने सहानुभूति हासिल करने के लिए हादसे का षड्यंत्र रचा था। हेलीकॉप्टर हादसे में मारे गए छह लोगों में 12वीं कोर के कमांडर जनरल सरफराज अली भी शामिल थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को कहा कि शहीदों के बलिदान का अपमान और उसका मजाक उड़ाया जाना भयावह है। उनके इस बयान के बाद एफआईए हरकत में आ गई।

प्रधानमंत्री के ट्वीट के कुछ घंटे बाद सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने पुष्टि की कि एफआईए सोशल मीडिया पर चलाए जा रहे दुष्प्रभाव अभियान को खत्म करने के प्रयासों का नेतृत्व करेगी। उन्होंने कहा कि एफआईए की साइबर अपराध शाखा के अतिरिक्त महानिदेशक मोहम्मद जफर और निदेशक (साइबर अपराध, उत्तर) वकारुद्दीन सईद सहित चार अधिकारी टीम के सदस्य होंगे। हालांकि, यह ठीक से ज्ञात नहीं है कि अभियान किसके समर्थन से चलाया जा रहा था।

तालिबान फैसला, काबुल के बाजार में मुस्कुराने पर लड़की की पिटाई

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज तालिबान को एक साल हो गया पर उसके कट्टरपंथी विचारों में कोई बदलाव नहीं आया है। राजधानी काबुल के आसपास महिलाओं का जीवन दिन पर दिन नर्क बनता जा रहा है। काबुल के बाजार में एक लड़की को केवल मुस्कुराने और दोस्त से जोर से बात करने के लिए पीटा गया। महिलाओं को दुनिया में कहीं और की तुलना में अब अफगानिस्तान में ज्यादा कठोर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं की माध्यमिक शिक्षा पर रोक लगा दी गई है। उन्हें छोटी यात्राओं के अलावा कहीं भी जाने के लिए एक पुरुष अभिभावक के साथ रहने के लिए मजबूर किया जाता है।

एक खबर के मुताबिक अफगानिस्तान में तालिबान के राज में महिलाओं पर प्रतिबंध रुक-रुक कर लागू किए जाते हैं, लेकिन उनका पालन कड़ाई से किया जाने लगा है। एक किशोरी ने बताया कि उसने तीन बार देखा कि तालिबान के लोग महिलाओं को बाजार में पीट रहे थे। कुछ महिलाओं ने जो सलवार पहनी हुई थी, वो तालिबान के लोगों को बहुत तंग लग रही थी। इस किशोरी को सितंबर में स्कूल छोड़ना पड़ा था और अब वह अवसाद से जूझ रही है। इस किशोरी ने बताया कि एक बार तो केवल मुस्कुराने और आपस में जोर से बात करने के लिए लड़कियों को तालिबान के लोगों ने पीट दिया। किशोरी ने कहा कि जब आप कपड़े खरीद रहे हैं, तो उसके बारे में बात करना एक स्वाभाविक चीज है। इस तरह की घटनाओं को देखने के बाद किशोरी ने मदरसे में पढ़ना भी बंद कर दिया है। उसका कहना है कि इससे घर पर रहना बेहतर है।

गौरतलब है कि लगभग एक साल पहले अफगानिस्तान पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था। अमेरिका के साथ शांति वार्ता में और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तालिबान ने वादा किया था कि महिलाओं को शिक्षा और काम करने का अधिकार हासिल होगा। जबकि एक साल बाद अफगानिस्तान में महिलाओं की हालत बद से बदतर होती जा रही है।

लंदन पुलिस ने किया शर्मसार, 2 साल में 650 नाबालिगों की स्ट्रिप-सर्च, अधिकांश अश्वेत

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में नस्लभेद की असमानता को लेकर भले ही कितनी दुहाई दी जाती हो पर यहां की राजधानी लंदन की पुलिस की पुलिस के असंवेदनशील रवैये ने इसकी पोल खोल कर रख दी है। ताजा जानकारी के मुताबिक दो साल के समय में 600 से अधिक बच्चों की कपड़े उतार कर तलाशी ली है, जिनमें से ज्यादातर अश्वेत लड़के थे। इंग्लैंड की कमिश्नर फॉर चिल्ड्रेन राहेल डी सूजा ने कहा कि वह मेट्रोपॉलिटन पुलिस से हासिल किए गए इन आंकड़ों से वे स्तब्ध हैं। ब्रिटेन के सबसे बड़े पुलिस बल को बच्चों से जुड़े मामलों को संभालने के तरीकों के लिए मार्च में माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया था। गड़बड़ियों की शिकायत के बाद पुलिस के चार अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई थी। एक खबर के मुताबिक ये आंकड़े तब सामने आए जब इंग्लैंड की कमिश्नर फॉर चिल्ड्रेन राहेल डी सूजा ने लंदन पुलिस से इसके बारे में जुड़ा डाटा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। एक घटना में तो एक 15 वर्षीय अश्वेत छात्रा की 2020 में महिला अधिकारियों ने तब तलाशी ली थी, जबकि उन्हें पता था कि उसे मासिक धर्म हो रहा

था। पुलिस को संदेह था कि लड़की गांजा ले जा रही थी। पुलिस ने किसी उपयुक्त वयस्क की मौजूदगी के बिना उसकी तलाशी ली थी।

डी सूजा ने कहा कि तलाशी के 23 प्रतिशत मामलों में कोई वयस्क मौजूद नहीं था। राहेल डी सूजा ने पाया कि 2018 और 2020 के बीच पुलिस के अधिकारियों ने 10-17 वर्ष की आयु के कुल 650 नाबालिगों की स्ट्रिप-सर्च की। इनमें 95 प्रतिशत से अधिक लड़के थे और 650 में से 58 प्रतिशत अश्वेत थे। डी सूजा ने कहा कि वह इस मामले में जातीय असंतुलन पर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े साल दर साल तेजी से बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बच्चे हर साल इस तरह के गलत व्यवहार का शिकार हो रहे हैं।

बहरहाल लंदन पुलिस ने स्वीकार किया कि कुछ बच्चे खुद गैंगस्टरों और ड्रग अपराधियों के शोषण का शिकार हो सकते हैं। लंदन के मेयर सादिक खान ने भी बच्चों के साथ गलत व्यवहार करने के लिए पुलिस की आलोचना की। खान के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह गंभीर रूप से चिंताजनक है कि बिना किसी वयस्क की मौजूदगी के बच्चों की इस तरह से तलाशी हो रही थी।

फिलिस्तीनी और इजरायल के बीच की लड़ाई पर लगा ब्रेक, संघर्ष विराम हुआ लागू

गाजा सिटी। (एजेंसी)।

इजराइल और फलस्तीनी आतंकवादियों के बीच करीब तीन दिन से चल रही हिंसा को खत्म करने के मकसद से रविवार देर रात संघर्ष विराम लागू हुआ। इस हिंसा में फलस्तीन के कई नागरिक मारे गए और हजारों इजराइलियों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। इजराइल और हमास के बीच पिछले साल 11 दिन तक चली लड़ाई के बाद इजराइल और गाजा आतंकवादियों के बीच यह सबसे खराब संघर्ष था। मिस्र की मध्यस्थता के बाद रात करीब साढ़े 11 बजे संघर्ष विराम लागू हुआ। संघर्ष विराम शुरू होने से कुछ मिनट पहले तक इजराइल ने हवाई हमले किए।

इजराइल ने कहा कि अगर संघर्ष विराम का उल्लंघन होता है, तो वह इस पर ''कड़ी प्रतिक्रिया'' देगा। इजराइल ने गाजा में शुक्रवार को हमले शुरू किए थे, जबकि ईरान समर्थित फलस्तीनी जिहाद आतंकवादी समूह ने इसके जवाब में इजराइल में सैकड़ों रॉकेट दागे। गाजा पर शासन करने वाला उग्रवादी समूह हमास इस संघर्ष से किनारा करता दिखाई दिया। इजराइल ने शुक्रवार को इस्लामिक जिहाद के एक नेता को मार गिराया था तथा शनिवार को दूसरे प्रमुख नेता को निशाना बनाया। इस्लामिक जिहाद का दूसरा कमांडर खालिद मंसूर शनिवार देर रात दक्षिण गाजा में राफाह शरणार्थी शिविर में हवाई हमले में मारा गया। गाजा पट्टी में रविवार को उसका अंतिम संस्कार शुरू होने पर इजराइली मंत्रालय ने कहा कि वह ''इस्लामिक जिहाद की संदिग्ध रॉकेट प्रक्षेपण चौकियों'' पर हमला कर रहा है। इजराइली सेना ने कहा कि शनिवार देर रात फलस्तीनी आतंकवादियों द्वारा दागा गया रॉकेट उत्तरी गाजा के जबालिया शहर में ही गिर गया, जिससे बच्चों समेत कई लोगों की मौत हो गई।

रविवार को जेबालिया के इसी इलाके में एक घर पर प्रक्षेपास्त्र गिरा, जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी। फलस्तीन ने इजराइल को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है जबकि इजराइल का कहना है कि वह यह जांच कर रहा है कि क्या निशाना चूकने की वजह से रॉकेट इसी इलाके में गिरा। इजराइल के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि गाजा से दागे गए मोर्टार इजराइल में एरेज सीमा चौकी पर गिरे, जिसका इस्तेमाल हजारों गाजा निवासी रोज करते हैं। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल और गाजा स्थित आतंकवादियों

के बीच संघर्ष विराम का स्वागत किया। उन्होंने एक बयान में कहा, ''बीते 72 घंटों में अमेरिका ने इजराइल, फलस्तीन प्राधिकरण, मिस्र, कतर, जॉर्डन और अन्य देशों के अधिकारियों के साथ काम किया ताकि इस संघर्ष का त्वरित समाधान निकाला जा सके।'' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का इस हिंसा पर आज यानी सोमवार को एक आपात बैठक करने का कार्यक्रम है।

राष्ट्रमंडल खेल

भारतीयों का जलवा बरकरार, बैडमिंटन के बाद टेबल टेनिस में भारत ने जीता गोल्ड

बर्मिंघम (एजेंसी)।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के आखिरी दिन भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम रहा। सबसे ज्यादा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भारत को स्वर्ण पदक दिलाए। गेम्स की बैडमिंटन पुरुष युगल स्पर्धा में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग सेट्टी ने स्वर्णिम इतिहास रचा। 2018 के गोल्ड कोस्ट में इसी प्रतिस्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों ने बर्मिंघम में गोल्ड पर निशाना लगाया और उसे हासिल भी किया।

इस मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग सेट्टी ने अपने प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के बेन लेन और सीन वेंडी को 21-15, 21-13 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले बैडमिंटन महिला और पुरुष एकल में पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने स्वर्णिम इतिहास रचा।

पीवी सिंधु का कमाल

स्टार शटलर पीवी सिंधु ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के महिला एकल के फाइनल में कनाडा की मिशेल ली को पटकनी दे दी है। आपको बता दें कि दुनिया की 7वें नंबर की खिलाड़ी पीवी सिंधु ने 13वें नंबर की खिलाड़ी मिशेल ली को 21-15, 21-13 से हराकर 2014 ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में उनके खिलाफ मिली हार का बदला भी चुकता कर गोल्ड मेडल जीता।

अचंता शरथ कमल ने जीता गोल्ड

बैडमिंटन के बाद टेबल टेनिस में भी भारतीयों ने अपना जलवा दिखाया। टेबल टेनिस में पुरुष एकल फाइनल मुकाबले में अचंता शरथ कमल ने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। इस मुकाबले में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाड़ी को पहला सेट हारने के बाद 4-1 से मात दी। अचंता शरथ कमल के अलावा जी साथियान ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। जी साथियान ने पुरुष एकल ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में इंग्लैंड के पॉल ड्रिंकहॉल को 4-3 से हराया।

30 लाख रुपए में हुई वेटलिफ्टर संकेत सरगार की कोहनी की सर्जरी, मंत्रालय ने उठाया खर्च

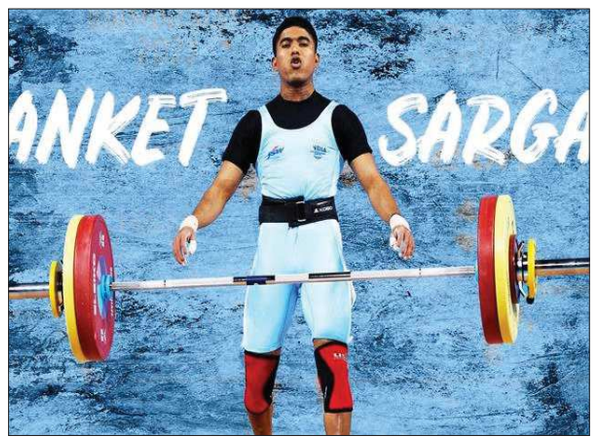

नयी दिल्ली: (एजेंसी)।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के लिए खाता खोलने वाले भारोत्तोलक संकेत सरगर ने कोहनी की सर्जरी करायी जिसके लिए खेल मंत्रालय ने 30 लाख रुपए मंजूर किए। 21 साल के सरगर की कोहनी 55 किग्रा वर्ग में क्लीन एवं जर्क के दूसरे प्रयास में 139 किग्रा का वजन उठाते हुए चोटिल हो गई थी लेकिन वह रजत पदक जीतने में सफल रहे थे। मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा- उन्हें तुरंत ही चिकित्सा मुहैया कराई गई और ब्रिटेन में डाक्टरों ने उन्हें सर्जरी की सलाह दी। भारत सरकार ने इस युवा एथलीट की सर्जरी का खर्चा उठाने का फैसला किया और आज उनके ऑपरेशन के पूरे खर्चे के लिए 30 लाख रुपए की राशि मंजूर की। इसमें कहा गया- एथलीट की हालत स्थिर है और वह ब्रिटेन के अस्पताल में उबर रहे हैं। ओलिम्पिक रजत पदक विजेता और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने संकेत को मदद मुहैया कराने के लिए सरकार और भारोत्तोलन महासंघ का धन्यवाद किया।

भारत के साथियान ने राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस में कांस्य जीता

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारत के साथियान ज्ञानशेखर ने राष्ट्रमंडल खेलों की टेबल टेनिस स्पर्धा में सोमवार को एक कांस्य पदक जीता। इसी के साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के कुल 23 कांस्य पदक हो गये हैं।

ज्ञानशेखर ने इंग्लैंड के पॉल ड्रिंकहाल को पुरुष एकल हराकर यह कांस्य पदक अपने नाम किया। एकल रैंकिंग में 35वें स्थान पर बरकरार साथियान ने शुरुआती तीन गेम जीत कर अच्छी शुरुआत की हालांकि बीच में 74 वीं रैंकिंग वाले ड्रिकहॉल ने अच्छी वापसी करते हुए मुकाबला 3-3 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद निर्णायक सातवें गेम में मुकाबला संघर्षपूर्ण रहा। साथियान ने इस रोमांचक मुकाबले को 11-9, 11-3, 11-5, 8-11, 9-11, 10-12, 11-9 से जीत लिया।

हॉकी में ऑस्ट्रेलिया ने लगातार जीता 7वां गोल्ड, भारत को मिला सिल्वर मेडल, फाइनल में 7-0 से हराया

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के आखिरी दिन भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम रहा। बैडमिंटन और टेबल टेनिस में कमाल का प्रदर्शन करने के बाद भारतीयों ने हॉकी में भी अपना दमखम दिखाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मुकाबला जीतने में नाकामयाब रही। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7-0 से मात दी।

ऑस्ट्रेलिया का दबदबा बरकरार

कॉमनवेल्थ गेम्स में 1998 में हॉकी को शामिल किया गया। जिसके बाद से ऑस्ट्रेलिया ने सभी सात गोल्ड मेडल अपने नाम किए। जबकि भारत जीत में से एक भी बार गोल्ड मेडल नहीं जीत पाया है। हालांकि 2010, 2014 और 2022 में भारत ने सिल्वर मेडल जीते हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2022- महिला क्रिकेट में स्वर्ण पदक से फिसले पर सिल्वर जीत रचा इतिहास

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

राष्ट्रमंडल खेल 2022 में महिला क्रिकेट टीम कीर्तिमान रचते-रचते चूक गई और उसे सिल्वर पर ही संतुष्ट होना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स में पहली बार क्रिकेट को शामिल किया गया था। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय महिला टीम ने सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास तो रच ही दिया। इससे पहले 1998 में पुरुष क्रिकेट को भी गेम्स में जगह मिली थी, तब भारतीय टीम मेडल नहीं जीत सकी थी। फाइनल में टी20 की वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को रोमांचक मुकाबले में 9 रन से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 161 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम 152 रन बनाकर सिमट गई। हरमनप्रीत ने शानदार अर्धशतक जड़ा। भारतीय टीम यहां गोल्ड जीत सकती थी, लेकिन उसकी ये 5 गलती उस पर भारी पड़ी।

1-रेणुका सिंह ने मैच के तीसरे ओवर में एलिसा हीली का बड़ा विकेट हासिल कर लिया था। 6 ओवर के पावरप्ले के बाद स्कोर 43 रन था, लेकिन अगले 4 ओवर में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 40 रन बना दिए, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ।

2-हरमनप्रीत कौर ने 7वें से 10वें ओवर के बीच 4 ओवर के लिए 4 गेंदबाजों को आजमाया। इस कारण कंगारू टीम के बल्लेबाज लय पकड़ने में कामयाब रहे। 7वें ओवर में राधा यादव ने 3, 8वें ओवर में स्नेह राणा ने 8, 9वें ओवर में पूजा वस्त्राकर ने 12 और 10वें ओवर में हरमनप्रीत ने 17 रन दिए। 3-12वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने ताहिला मैक्ग्रा का बड़ा विकेट लिया। वे आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। इसके बाद भी उनके 4 ओवर तीन स्पेल में पूरे कराए गए।

वी प्रणव भारत के 75वें ग्रैंडमास्टर बने

चेन्नई। शतरंज खिलाड़ी वी प्रणव रोमानिया में एक टूर्नामेंट जीतकर रविवार को भारत के 75वें ग्रैंडमास्टर बन गए। चेन्नई के 15 वर्ष के प्रणव ने रोमानिया के बाइया मारे में लिम्पेडिया ओपन जीतकर अपना तीसरा और आखिरी ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया। उन्होंने नौ दौर में सात अंक लेकर ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया।

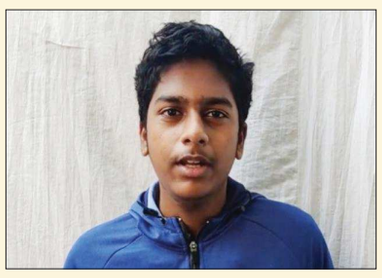

उन्होंने कहा- यह शानदार अहसास है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ेगा और आगे अच्छा प्रदर्शन कर सकूंगा। प्रणव तमिलनाडु के 27वें ग्रैंडमास्टर हैं। उनसे पहले विश्वनाथन आनंद, डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा भी इसी राज्य से ग्रैंडमास्टर बने हैं।

एकदिवसीय सीरीज के लिए 15 अगस्त को हरारे पहुंचेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम अब तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए 15 अगस्त को हरारे पहुंचेगी। सीरीज की शुरुआत 18 अगस्त से होगी। एकदिवसीय सीरीज के सभी मुकाबले हरारे स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित किए जाएंगे। यह भारतीय टीम का छह साल में पहला जिम्बाब्वे दौरा है। पिछली बार भारतीय टीम महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में जिम्बाब्वे गयी थी।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैं : शिखर धवन (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुडा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और दीपक चाहर।

पिछली बार जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम को 2016 में 3-0 से जीत मिली थी। टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे में अबतक 17 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इस दौरान उसे 15 मुकाबलों में जीत मिली है जबकि केवल दो मुकाबलों में ही हार का सामना करना पड़ा है।

भारत बनाम जिम्बाब्वे पहला एकदिवसीय 18 अगस्त 2022 12.45 बजे शाम हरारे स्पोर्ट्स क्लब, हरारे.

भारत बनाम जिम्बाब्वे दूसरा एकदिवसीय 20 अगस्त 2022 12.45 बजे शाम हरारे स्पोर्ट्स क्लब, हरारे.

भारत बनाम जिम्बाब्वे तीसरा एकदिवसीय 22 अगस्त 2022 12.45 बजे शाम हरारे स्पोर्ट्स क्लब, हरारे.

एशिया कप में रोहित, विराट सहित सभी अनुभवी खिलाड़ियों को उतारेगा भारत : लालचंद राजपूत

मुबई (एजेंसी)।

इसी माह के अंत में होने वाले एशिया कप में किस खिलाड़ी को भारतीय टीम में जगह मिलेगी और कौन सा खिलाड़ी बाहर होगा। इसकी अटकलें जारी हैं। इसी बीच भारतीय टीम के पूर्व कोच लालचंद राजपूत ने कहा है कि भारत इन खेलों में अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम उतारेगा।

राजपूत ने एशिया कप के लिए अपनी पसंदीदा टीम भी बनायी है। राजपूत ने इसमे रोहित शर्मा सहित सभी अनुभवी खिलाड़ियों को जगह दी है। राजपूत ने कहा, 'रोहित इस टूर्नामेंट में जरूर खेलेंगे क्योंकि इसमें उन्हें इससे अपने अब तक के प्रयोग को जांचने-परखने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा पूर्व कप्तान विराट कोहली और लोकेश राहुल की वापसी भी तय है। इसके अलावा सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक व दीपक हुड्डा को भी टीम में जगह मिलेगी। हुड्डा ने हाल में बेहतर प्रदर्शन

किया है और वह श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, ईशान किशन जैसे बल्लेबाजों पर भारी पड़े हैं।

ऑलराउंडरों की बात करें तो हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा का नाम 15 सदस्यीय टीम के साथ-साथ अंतिम ग्यारह में भी पक्का नजर आ रहा है। वहीं अक्षर पटेल तीसरे ऑलराउंडर के तौर पर शामिल हो सकते हैं।

पूर्व कोच के अनुसार टीम इंडिया की गेंदबाजी लाइनअप भी तय है। तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार का चयन करीब तय है। नए गेंदबाजों की बात करें तो अर्शदीप सिंह का दावा बेहद मजबूत है। अर्शदीप ने हाल में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। राजपूत के अनुसार चौथे तेज गेंदबाज के लिए मोहम्मद शमी और आवेश खान के बीच मुकाबला होगा। वहीं अगर चयनकर्ता अनुभव को वरीयता देंगे तो शमी को मौका मिलेगा। इसके अलावा विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर यजुवेन्द्र चहल को जगह मिल सकती है।

एशिया कप के लिए संभावित भारतीय टीम इस प्रकार है- 1 रोहित शर्मा (कप्तान), 2 केएल राहुल, 3. विराट कोहली, 4 ऋषभ पंत, 5 सूर्यकुमार यादव, 6 हार्दिक पंड्या, 7. दिनेश कार्तिक, 8 दीपक हुडा, 9 रवींद्र जडेजा, 10 अक्षर पटेल, 11 युजवेंद्र चहल, 12 जसप्रीत बुमराह, 13. भुवनेश्वर कुमार, 14. अर्शदीप सिंह, 15. मोहम्मद शमी या आवेश खान।

सिटी ओपन : किर्गियोस और सैमसोनोवा ने जीता खिताब

वॉशिंगटन। निक किर्गियोस ने योशिहितो निशियोका को सीधे सेटों में पराजित करके सिटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का पुरुष एकल का खिताब जीता। यह उनका पिछले 3 साल में पहला खिताब है। किर्गियोस ने फाइनल में केवल एक बार ब्रेक प्वाइंट का सामना किया और निशियोका को आसानी से 6-4, 6-3 से हराया। यह उनके करियर का 7वां एटीपी खिताब है। इसके बाद उन्होंने जैक सॉक के साथ मिलकर पुरुष युगल का खिताब भी अपने नाम किया। इस जोड़ी ने फाइनल में फ्रेंच ओपन के फाइनलिस्ट इवान डोडिग और ऑस्टिन क्रेजिसेक को 7-5, 6-4 से हराया। किर्गियोस सिटी ओपन में एक साल में एकल और युगल खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रविवार को ही ल्यूडमिला सैमसोनोवा ने महिला एकल के फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त काया कानेपी को 4-6, 6-3, 6-3 से हराकर अपने करियर का दूसरा डब्ल्यूटीए खिताब जीता।

सिकंदर रजा का सनसनीखेज शतक, जिमबाब्वे ने बांगलादेश से वनडे सीरीज जीती

हरारे (एजेंसी)।

जिमबाब्वे ने बांगलादेश के खिलाफ खेले जा रही वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। यह सिकंदर रजा का लगातार दूसरा वनडे शतक है। पहले मैच में भी शतक लगाकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई थी। मैच की बात करें तो बांगलादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए महमुदुल्लाह के 80 रनों की बदौलत 9 विकेट खोकर 290 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए जिमबाब्वे ने 47.3 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। जिमबाब्वे की पारी में सिकंदर के अलावा कप्तान रैंजिस चकाब्वा का भी शतक आया। बांगलादेश की शुरूआत अच्छी रही थी। कप्तान तमिम इकबाल ने अनामुल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 71 रन जोड़े। तमिम 45 गेंदों में 50 रन बनाकर आऊट हुए। इसके फौरन बाद अनामुल भी 20 रन पर रन आऊट हो गए। शॉन्टो ने 38 तो मुशफिकुर रहीम ने 25 रन बनाकर स्कोर आगे बढ़ाया। मध्यमक्र में महमुदुल्लाह ने 84 गेंदों में 80 तो अफीफ हुसैन ने 41

गेंदों में 41 रन बनाकर स्कोर 290 तक पहुंचाया। बांगलादेश की ओर से गेंदबाजी करते हुए सिकंदर रजा ने 56 रन देकर 3 विकेट लिए।

भारतीय टीम की कप्तानी करना चाहते हैं हार्दिक पांड्या, कहा- मौका मिला तो खुशी से लेना चाहूंगा

लॉडरहिल। हार्दिक पांड्या ने कप्तानी में यादगार शुरुआत की है। आईपीएल में उन्होंने गुजरात टाइटंस को पहले ही सीजन में ख़िताब जिताया और अब भारत की टी20 टीम के साथ तीन मैचों में अपनी तीसरी जीत हासिल की। हार्दिक का कहना है वह भविष्य में स्थायी कप्तानी के लिए तैयार होंगे। फ्लोरिडा में भारत के वेस्टइंडीज पर 4-1 की सीरीज जीत के बाद उन्होंने कहा, 'क्यों नहीं, अगर मुझे कप्तानी का मौक़ा मिलेगा तो मैं इसे खुशी से लेना चाहूंगा। फिलहाल हमें एशिया कप पर ध्यान देना है। हम उसी पर फोकस करना चाहते हैं। बतौर टीम हमारी यही कोशिश रहती है कि हम निरंतर सुधार भी करें और खेल का आनंद भी लेते रहें।' पांचवें टी20 में नियमित कप्तान रोहित शर्मा सहित कई खिलाड़ियों को आराम दिया गया था और इसके बावजूद भारत ने मैच 88 रनों से जीता। यह भारतीय टीम के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में संयुक्त रूप से चौथी सबसे बड़ी जीत थी। भारत ने इस साल सात कप्तानों का प्रयोग किया है। वेस्टइंडीज और यूएसए के दौरे से पूर्व उप-कप्तान के रूप में हार्दिक ने ऋषभ पंत की जगह ली थी। रोहित ने हाल ही में टीम में कप्तानी के विभिन्न दावेदारों के आगे आने पर संतुष्टि जताई थी। उन्होंने कहा, ''एक टीम में आपके आस-पास इतने सारे नेतृत्व करने वाले साथियों का होना एक अच्छा संकेत है। आप चाहते हैं आपके खिलाड़ी दबाव को संभाले, मैच को पढ़ना सीखें और एक दूसरे के साथ सही तालमेल बिठा सकें। यह सारी चीजें आप कप्तानी करते वक्त सीखते हैं। हम सब आईपीएल भी खेलते हैं जहां 10 टीमें हैं तो किसी भी वक्त भारतीय दल में 10 कप्तान वैसे भी होते हैं। मेरे लिए काम आसान ही बनता है क्योंकि इन के मन में भी अच्छे सुझाव आते हैं।

बड़े मुकाबलों में एक ही प्रकार की गलतियों से बचना होगा : हरमनप्रीत

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर राष्ट्रमण्डल खेलों के खिताबी मुकाबले में टम की हार से निराश हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि जिस प्रकार से खिताबी मुकाबले में टीम को हार मिली है। उसको देखते हुए टीम को एक ही प्रकार की गलतियां दोहराने से बचना होगा। भारतीय टीम के पास इस बार जीत का अच्छा अवसर था पर फाइनम में की गयी गलतियों से खिताब उसके हाथों से निकल गया। इस मैच में भी भारतीय बल्लेबाजी क्रम उसी प्रकार से ध्वस्त हुआ जैसे साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 विश्वकप और 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप में हुआ था। हरमनप्रीत ने कहा, ''हर बार बड़े मुकाबलों में हम बल्लेबाजी में लगातार एक जैसी गलतियां दोहरा रहे हैं। हमें इसे ठीक करना है।'' उन्होंने कहा, ''हम लीग चरण या द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में इस तरह की गलतियां नहीं करते हैं , इससे तय है कि यह मनोवैज्ञानिक दबाव का परिधाण है।''

भारत को अंतिम छह ओवर में जीत के लिए 50 रनों की जरुरत थी और उसके पास आठ विकेट बचे हुए थे ऐसे में उसे आसानी से लक्ष्य हासिल कर लेना था पर ऐसा हुआ नहीं। भारतीय बल्लेबाज अपनी गलतियों के कारण एक के बाद एक आउट होती चली गयीं। उसके बल्लेबाजों ने खराब शॉट चयन के कारण 13 रन के अंदर पांच विकेट खो दिये। हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिगेज ने 96 रन की साझेदारी की पर इन दोनों ने खराब शॉट खेलकर अपने विकेट खो दिये। हरमनप्रीत ने कहा,''मैं हमेशा एक अतिरिक्त बल्लेबाज की तलाश में रहती हूं। अभी हम इस पर काम कर रहे हैं। एक बार हम इसे हासिल कर लेंगे तो फिर बल्लेबाजी ढ़हने से बच जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''दो विकेट गंवाने के बाद जेमिमा और मैंने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह उस समय की जरूरत थी। आपको संयमित होकर खेलने की जरूरत थी. हम वास्तव में लक्ष्य के करीब थे।''

हरमनप्रीत ने कहा, ''अगर मैं या पूजा वस्त्राकर में से कोई खेलता रहता तो हम मैच जीत सकते थे पर यह खेल का हिस्सा है। कई बार कुछ चीजें आपके नियंत्रण में नहीं होती हैं। हमें यहां काफी कुछ सीखने को मिला।'' टीम भले ही फाइनल में हार गयी पर हरमनप्रीत अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश और संतुष्ट हैं। भारतीय कप्तान ने कहा, ''मैं जानती हूं कि हम स्वर्ण पदक जीतने के करीब थे लेकिन कुल मिलाकर हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा।हम पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे और हमें खुशी है कि हमने रजत पदक जीता।''

प्रधानमंत्री ने गोधन न्याय योजना की तारीफ कर छग के भाजपा नेताओं को दिखाया आइना : कांग्रेस

रायपुर: गोधन न्याय योजना को लेकर छत्तीसगढ़ के भाजपा नेता दिग्भ्रमित है और रमन सिंह अवसाद में है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोधन न्याय योजना की तारीफ कर के छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं को आइना दिखाया है। इस योजना की पूरे देश मे प्रशंसा हो रही है। भाजपा की उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश की सरकार इसको लागू कर चुकी है। छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना से इससे जुड़े सभी लाभान्वित हो रहे हैं।

पशुपालक, चरवाहे, किसान से लेकर स्व सहायता समूह की महिलाओं और सरकार को भी फायदा हो रहा है। इस योजना से न्यूनतम लागत से अधिकतम रोजगार का सृजन हो रहा है। एक ओर देश के प्रधानमंत्री मोदी सरकार की दूरदर्शी योजना गोधन न्याय योजना के तारीफ के पुल बांध रहे हैं, वहीं दूसरी ओर डॉ. रमन सिंह इस योजना की सफलता और यश को देखकर कुंठित होते रहे हैं और इसकी आलोचना करते रहे हैं। भूसे के ढेर में सुई की तरह मुद्दा खोजने की असफल कोशिश करने वाली भाजपा भूपेश सरकार द्वारा जनता के लिए लाई गई सफल और उत्कृष्ट योजनाओं का ही विरोध करने लगी है।

सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इससे पहले भी केंद्र सरकार द्वारा भेजी गई टीमों द्वारा गौठान और गोधन न्याय योजना की तारीफ की गई है। मोदी सरकार छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना का नाम बदलकर सुधन योजना के नाम से इस योजना को पूरे देश में लागू करने की तैयारी कर रही है। जहां एक ओर केंद्र सरकार भूपेश सरकार की योजनाओं का नाम बदलकर लागू कर रही है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जैसे न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर बैठे एन वी रमन्ना और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर रह चुके अर्थशास्त्री रघुराम राजन भी भूपेश सरकार की प्रशंसा कर रहे हैं।

धमतरी : ५०० से अधिक किसानों को नहीं मिला बोनस की राशि

धमतरी: समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को अंतर की राशि (बोनस) का प्रथम किश्त राज्य सरकार ने जारी कर दिया है, लेकिन नगरी ब्लॉक के १० गांवों के किसानों के खातों पर दो माह बाद भी राशि उनके बैंक खाता में जमा नहीं हुआ है। पीड़ित किसान सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर बोनस की राशि दिलाने की गुहार लगाई है।

नगरी ब्लॉक के राष्ट्रीय गौरव ग्राम बेलरगांव के किसान चंद्रशेखर आडिल, सुरेश कोर्राम, कोमल देवांगन, गिरधारी देवांगन, उमेश साहू, शंभू साहू, जीवनदास, बंशी कश्यप, यतेन्द्र कुमार साहू समेत अन्य किसान आठ अगस्त को कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्टर पीएस एल्मा से मिलकर ज्ञापन सौंपा और बोनस की राशि शीघ्र दिलाने की गुहार लगाई है। पीड़ित किसानों ने बताया है कि इस साल खरीफ सीजन में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को २१ मई २०२२ को प्रथम किश्त के रूप में अंतर की राशि बोनस उनके खातों में जमा की गई, लेकिन इन किसानों के खातों में राशि जमा नहीं हुआ है। बोनस की राशि जारी किए आज दो माह से अधिक हो चुका

है, लेकिन उनके खातों पर जमा नहीं किया गया है, इससे किसान परेशान है। प्रभावित किसानों ने बताया कि यह राशि सिर्फ बेलरगांव के किसानों के खातों पर ही नहीं बल्कि उनके आसपास के ग्राम भूमका, बनोरा, डोमपदर, भुरसीडोंगरी, आमगांव, अमाली, घुरावड़ समेत करीब १० गांवों से अधिक के ५०० किसानों के खातों पर बोनस की राशि जमा नहीं हुई है। पीड़ित किसान राशि जमा नहीं होने पर दफ्तरों का चक्कर काट रहे हैं। सोसाइटियों, नोडल कार्यालय व सहकारिता विभाग तक जानकारी ले चुके हैं, लेकिन अब तक उनके बैंक खातों में अंतर की राशि जमा नहीं किया गया है, ऐसे में किसान परेशान है। उनका कहना है कि यह राशि राज्य सरकार ने खरीफ खेती-किसानी के शुरूआती दौर पर खातों में जमा की है, लेकिन उनके बैंक खातों में राशि जमा नहीं होने से वे कर्ज लेकर वर्तमान में खरीफ खेती-किसानी की है।

किसानों को कर्जदार तंग कर रहे हैं, क्योंकि पीड़ित किसानों ने बोनस की राशि आते ही कर्ज देने व्यवसायियों को भरोसा दिलाया था। अब राशि आने में लेटलतीफी होने से इन किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों ने शासन से बोनस की राशि शीघ्र दिलाने गुहार लगाई है। इस संबंध में जिला नोडल अधिकारी शिवेष मिश्रा ने बताया कि बोनस की राशि जमा नहीं होने की जानकारी उन्हें नहीं है। यदि राशि बैंक खातों में जमा नहीं किया गया है, तो उच्च कार्यालय से जानकारी लेकर राशि जमा कराने पूरी कोशिश की जाएगी।

छत्तीसगढ़ : भाजपा ने बेरकेल से हसौद-सरसीवा पुल तक नाव से निकाली तिरंगा यात्रा

रायपुर: आजादी के अमृत महोत्सव के तहत छत्तीसगढ़ में पहली बार नाव से भाजपा ने बेरकेल से हसौद-सरसीवा पुल तक सोमवार को तिरंगा यात्रा निकाली। जांजगीर जिले में जैजैपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरेकेल में छत्तीसगढ़ की प्राणदायनी नदी महानदी में १० नावों को उतारकर करीब २ किलोमीटर की तिरंगा रैली निकाली गई। अमृत महोत्सव का साक्षी बनने के लिए राजिम के कृष्ण कुमार सैनी दिल्ली की पदयात्रा पर निकले हैं।

आजादी की ७५वीं वर्षगांठ पर पूरे देश में सरकार और आम जनता की तरफ से कई विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लोगों से १३ से १५ अगस्त के मध्य लोगों से अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने की अपील की। भाजपा की अगुवाई में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए १२० से ज्यादा लोग महानदी में नाव लेकर उतरे।

रैली में शामिल लोगों ने हर घर में तिरंगा फहराने की अपील की। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश साहू, सरपंच पति दुर्गा लाल केवट, सुखदेव खूंटे सहित तमाम भाजपा नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल थे। महानदी के बरेकेल घाट पर हसौद और सरसींवा को जोड़ने के लिए २००९ में ६६० मीटर लंबा पुल ७ करोड़ १९ लाख की लागत से बनाया गया था। जांजगीर-चांपा जिला को बलौदा बाजार से जोड़ने वाले इस पुल में ४३ पिलर हैं।

अमृत महोत्सव का साक्षी बनने के लिए राजिम के कृष्ण कुमार सैनी दिल्ली की पदयात्रा पर निकले हैं। कृष्ण सैनी १३ जून को लगातार २६ घंटे में १४० किलोमीटर की अपनी पदयात्रा पूरी कर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा चुके हैं। राजिम के रहने वाले कृष्ण कुमार सैनी तिरंगा लेकर रायपुर के भारत माता चौक से पदयात्रा पर निकले। सोमवार को बेमेतरा पहुंचने पर पुराना बस स्टैंड के घड़ी चौक पर स्वागत किया गया। इसके बाद उनकी यात्रा कवर्धा से चिल्फी होते हुए आगे बढ़ गई है।

दहेज हत्या में पूर्व एडीएम सहित दो दोषी करार

रांची: दहेज के लिए शाइस्ता हसमत की हत्या के मामले में अपर न्यायायुक्त दिनेश राय की कोर्ट ने सोमवार को पूर्व एडीएम अहमद हुसैन तथा महिला के देवर अंदलीब अहमद को दोषी करार दिया है। उनकी सजा पर १६ अगस्त को सुनवाई होगी।

सोमवार को कोर्ट ने दोषी पाए जाने के बाद पूर्व एडीएम को हिरासत में लेने का आदेश दिया। इस मामले में देवर अंदलीब अहमद पूर्व से ही जेल में है, उसकी पेशी वीडियो कॉफ्रेंसिग के माध्यम से हुई। इस मामले की आरोपित एक महिला की सास शाहनाज परवीन की मौत हो चुकी है। इस संबंध में मृतका शाइस्ता हसमत के भाई अबु साहलेह नासिर ने बताया कि अपनी बहन की शादी डोरंडा के रहमत कॉलोनी निवासी अहमद हुसैन के पुत्र आफताब अहमद से २७ दिसंबर

२०१५ में की थी। शादी के कुछ दिन बाद से ही महिला को दहेज के लिए मारपीट और प्रताड़ित किया जाने लगा। दहेज न देने पर १२ जुलाई २०१७ को सास, ससुर और देवर ने बिजली की तार से गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। अगले दिन जब महिला के पिता सरकारी शिक्षक हसमत अली ओला, भाई और अन्य परिजन शव लेने पहुंचे तो ससुराल वाले शव देने से इनकार कर दिया। साथ ही मारपीट और गाली-गालौज की गयी। इससे सदमें में उसी दिन महिला के पिता हसमत अली ओला की मौत हो गयी थी। इसके पूर्व महिला के पिता ने डोरंडा थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी थी।

श्रावण की चौथी सोमवारी को देवघर और बासुकीनाथ धाम में उमड़ा जनसैलाब

दुमका:श्रावणी माह की चौथी और अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। बाबा बासुकीनाथ शिवनगरी कांवड़ियों से पटा दिखा। बासुकीनाथ में अंतिम सोमवार को करीब डेढ़ लाख और बाबा बैद्यनाथ धाम में करीब दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।

सावन के इस पवित्र माह में शिवभक्त श्रद्धालु देवाधिदेव महादेव को खुश करने के सोमवार को बड़ी शिद्दत से पूजा-अर्चना कर मनोवांछित फल की प्राप्ति की याचना करते हैं। सोमवार के इस पवित्र दिन महिलाएं शिवरूपी पति पाने के उपवास रखकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करती हैं। मान्यता है कि भगवान शंकर की आराधना के लिए सावन मास सर्वश्रेष्ठ है।

कहा जाता हैं कि श्रावण माह भगवान शिव का अति प्रिय महीना होता हैं। मान्यता यह हैं कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए पुरे श्रावण महीने में कठोरतप की थी। जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनकी मनोकामना पूरी की। अपनी भार्या से पुन: मिलाप के कारण भगवान् शिव को श्रावण का यह महीना अत्यंत प्रिय हैं। यही कारण हैं कि इस महीने कुमारी कन्या अच्छे वर के लिए शिव जी से प्रार्थना करती हैं। कहा यह भी जाता है कि श्रावण के महीने में भगवान शिव ने धरती पर आकार अपने ससुराल में विचरण किया था। वहां उनका अभिषेक कर स्वागत किया गया था। इसलिए इस माह में जलाभिषेक का महत्व विशेष है।

इस बार की श्रावणी माह में झारखंड के संथाल परगना प्रमंडल के देवघर और बासुकीनाथ धाम में जलार्पण करने वाले कांवड़ियों की भीड़ उम्मीद से ज्यादा रही है। पैदल कांवड़ियों के साथ डाक कांवड़िया भी जलार्पण करने बासुकीनाथ धाम पहुंचे है। शिव भक्त श्रद्धालु बिहार के सुल्तानगंज से कांवड़ में गंगाजल लेकर १०५ किमी पैदल चलकर देवघर फिर फौजदारी बाबा बासुकीनाथ में जलार्पण करने पहुंचे। इसके अलावे स्थानीय शिवभक्त श्रद्धालु भी इस पवित्र माह में अपने मनवांछित फल की प्राप्ति के लिए जलार्पण करने बासुकीनाथ धाम पहुंचे है।

शहीद निर्मल महतो के सपनों का झारखण्ड अब तक नहीं बन पाया: दिलीप चौधरी

मेदिनीनगर: आजसू पार्टी जिला की ओर से सोमवार को शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। सबसे पहले शहीद निर्मल महतो की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष दिलीप चौधरी ने कहा कि निर्मल दा के सपनों का झारखण्ड अब तक नहीं बन पाया है।

पार्टी के केन्द्रीय सचिव सह गढ़वा जिला प्रभारी सतीश कुमार ने कहा कि अब तक खुशहाल झारखण्ड नहीं बन पाया है। नव निर्माण का आन्दोलन अभी बाकी है। आज हम संकल्प लें कि बेहतर झारखण्ड हम आप मिलकर निर्माण करेंगे। यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विकास योजनाओं में बालू न बने बाधा :उपायुक्त

मेदिनीनगर: उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे ने सोमवार को बैठक कर कई विभागों के अधिकारियों और अभियंताओं ने रोड व बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन व अन्य निर्माण कार्यों में बालू उपलब्ध न होने की बात कही। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को खनन पदाधिकारी से संपर्क कर बालू की कमी को दूर करने की बात कही।

उपायुक्त ने ग्रामीण विकास के तहत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना,दीदी बाड़ी योजना, नीलाम्बर-पीताम्बर जल समृद्धि योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना, सहित सभी योजनाओं के कार्य की प्रगति की जानकारी ली और लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के लिए संबंधतों को निर्देशित किया। संबंधित उन्होंने पथ निर्माण विभाग,पेयजल एवं स्वच्छता, लघु सिंचाई,खनन व कृषि सहित अन्य विभागों की समीक्षा की।

एलआइसी ने दो विद्यालयों सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को किया सम्मानित

खूंटी: भारतीय जीवन बीमा निगम की ओर से सोमवार को जिले के दो विद्यालयों के कक्षा एक से १० तक के वैसे छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिन दो विद्यालयों के विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया, उनमें मुरहू प्रखंड के कैथरीन एकेडमी हाई स्कूल एवं खूंटी नगर के उर्सुलाइन बालिका मध्य एवं उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल हैं। इस अवसर पर जीवन बीमा निगम खूंटी के शाखा प्रबंधक सुमन कुमार एवं हीनू शाखा के सहायक शाखा प्रबंधक चंदन कुमार ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया और राष्ट्र के निर्माण में जीवन बीमा निगम के सहयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शाखा प्रबंधक सुमन कुमार ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि श्रेष्ठ कोई एक ही होता है।

व्यापार

देश के १००० शहरों में ५जी सर्विसेज शुरू करेगी रिलायंस जियो

नई दिल्ली: निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी देश में एक साथ करीब एक हजार शहरों में ५जी सर्विसेज शुरू करने की तैयारी कर रही है। दूरसंचार कंपनी ने इसके लिए स्वदेश में विकसित अपने ५जी दूरसंचार उपकरणों का परीक्षण भी किया है। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपनी सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

आरआईएल ने सोमवार को जारी अपनी ताजा सालाना रिपोर्ट में कहा कि उसकी दूरसंचार इकाई जियो देश में एक हजार शहरों में ५जी सेवाओं की शुरुआत एक साथ करेगी। जियो ने इसके लिए वित्त वर्ष २०२१-२२ में अपनी शत-प्रतिशत स्वदेशी तकनीक के साथ ५जी सर्विसेज के लिए खुद को तैयार करने लिए कई कदम भी उठाए हैं। जियो ने ५जी तकनीक से जुड़ी सेवाओं का

जमीनी स्तर पर परीक्षण भी किया है। इस दौरान संवर्द्धित वास्तविकता (एआर), आभासी वास्तविकता (वीआर), क्लाउड गेमिंग, टीवी स्ट्रीमिंग, संबद्ध अस्पतालों एवं औद्योगिक उपयोग को परखा गया। इसी तरह हीट मैप, ३डी मैप और रे-ट्रेसिंग प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर लक्षित उपभोक्ता खपत और राजस्व की संभावना को इसका आधार बनाया गया।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में ५जी स्पेक्ट्रम की संपन्न नीलामी में रिलायंस जियो ने १.५० लाख करोड़ रुपये की बोलियों में ८८,०७८ करोड़ रुपये की बोलियां लगाई थीं। इस दौरान दूरसंचार विभाग ने बताया कि ५जी स्पेक्ट्रम पर आधारित सर्विसेज शुरू होने से ४जी की तुलना में १० गुना तेजी से डेटा डाउनलोड किया जा सकेगा।

भारती एयरटेल को पहली तिमाही में १६०७ करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली: निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने वित्त वर्ष २०२२-२३ की पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की ३० जून को समाप्त पहली तिमाही में मुनाफा पांच गुना से ज्यादा उछलकर १,६०७ करोड़ रुपये पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा २८३.५ करोड़ रुपये रहा था।

एयरटेल ने सोमवार को शेयर बाजार को जानकारी दी कि जून तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ (मुनाफा) ५ गुना से ज्यादा उछलकर १,६०७ करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा २८३.५ करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी की एकीकृत परिचालन आय करीब २२ फीसदी बढ़कर ३२,८०५ करोड़ रुपये रही है, जो एक साल पहले इसी तिमाही में २६,८५४ करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के मुताबिक देश में मोबाइल सेवा से उसकी आय २७ फीसदी बढ़कर १८,२२० करोड़ रुपये रही है, जो एक साल पहले इसी तिमाही में १४,३०५.६ करोड़ रुपये रही थी। सुनील मित्तल की अगुवाई वाली निजी क्षेत्र की भारतीय दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल फिक्स्ड लाइन सेवा तथा ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करती हैं। यह कंपनी भारत सहित अफ्रीका के १८ देशों में अपनी सेवा एयरटेल के नाम से प्रदान करती है।

तेजी के रथ पर सवार हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स ५४६ अंक तक उछला

- १२ अप्रैल के बाद पहली बार निफ्टी १७,५०० अंक के पार जाकर हुआ बंद

नई दिल्ली: कारोबारी सप्ताह के पहले दिन ही सोमवार को घरेलू शेयर बाजार ने अपनी मजबूती के झंडे गाड़ दिए। बाजार में आज शुरुआती कमजोरी के बाद जोरदार तेजी दिखाई। आज की तेजी के कारण निफ्टी लगभग ४ महीने बाद पहली बार १७,५०० अंक के ऊपर बंद हुआ। इसके पहले १२ अप्रैल को निफ्टी की क्लोजिंग १७,५३०.३० अंक के स्तर पर हुई थी। इसके बाद से ये सूचकांक लगातार नीचे ही लुढ़कता चला गया था। घरेलू शेयर बाजार में पिछले १० कारोबारी सत्रों के दौरान निफ्टी में १००० अंक से अधिक की तेजी आ चुकी है और इसके ऊपर चढ़ने की रफ्तार लगातार जारी है।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सिर्फ २ सेक्टर आईटी और ऑयल एंड गैस में गिरावट का रुख रहा। इसके अलावा शेष सभी सेक्टर में ओवरऑल तेजी बनी रही। मेटल, ऑटो और एनर्जी सेक्टर में दिनभर लगातार अच्छी लिवाली होती रही, जिससे इस सेक्टर के ज्यादातर शेयर मजबूती दिखाते रहे। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स ०.८ प्रतिशत और निफ्टी ०.७३ प्रतिशत चढ़कर बंद हुए।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने आज २९.७८ अंक की मामूली बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। कारोबार शुरू होते ही बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से १२० अंक से अधिक का गोता लगाकर लाल निशान में ५८,२६६.६५ अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में खरीदारी का माहौल बन गया और अगले आधे घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स ने रिकवरी शुरू कर दी।

सेंसेक्स में तेजी का ये माहौल लगभग पूरे दिन बना रहा। दोपहर २ बजे के थोड़ी देर पहले लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स ५४६.९७ अंक की उछाल के साथ आज के सर्वोच्च स्तर ५८,९३४.९० अंक तक पहुंच गया। हालांकि सेंसेक्स इस बढ़त को अंत तक कायम नहीं रख सका। आखिरी आधे घंटे के कारोबार के दौरान हुई मुनाफावसूली के वजह से सेंसेक्स सर्वोच्च स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर ४६५.१४ अंक यानी ०.८० प्रतिशत की मजबूती के साथ ५८,८५३.०७ अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने भी आज सिर्फ ४ अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में निफ्टी में भी बिकवाली के दबाव की वजह से गिरावट का रुख बना, जिसके कारण ये सूचकांक ४० अंक से अधिक लुढ़क कर १७,३५९.७५ अंक के स्तर तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद बाजार में शुरू हुई खरीदारी से निफ्टी को भी बल मिला और थोड़ी ही देर में ये सूचकांक सुधर कर हरे निशान में पहुंचकर कारोबार करने लगा।

निफ्टी में तेजी का ये माहौल दोपहर २ बजे तक बना रहा, जिसके कारण ये सूचकांक १५१.३० अंक की छलांग के साथ दिन के सर्वोच्च स्तर १७,५४८.८० अंक तक पहुंच गया। हालांकि बाद के कारोबार में हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे गिर कर १२७.६० अंक यानी ०.७३ प्रतिशत की मजबूती के साथ १७,५२५.१० अंक के स्तर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद दिग्गज शेयरों में से कोल इंडिया ३.३३ प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा ३.३० प्रतिशत, बजाज फिनसर्व २.९५ प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज २.५८ प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक २.४५ प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप ५ लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार : सोने में दिखी मामूली कमजोरी, चांदी में आई १८ रुपये की तेजी

नई दिल्ली: सप्ताह का पहला कारोबारी दिन ही सोना और चांदी के लिए सपाट कारोबार वाला दिन साबित हुआ। आज सोने की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई और चांदी की कीमत में सांकेतिक बढ़त दर्ज की गई। सोने की कीमत में आज अलग-अलग श्रेणियों में ३० रुपये से लेकर ५१ रुपये प्रति १० ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर चांदी की कीमत में आज १८ रुपये प्रति किलो की सांकेतिक बढ़त देखी गई।

सोने की कीमत में आज सबसे अधिक ५१ रुपये प्रति १० ग्राम की गिरावट २४ कैरेट और २३ कैरेट श्रेणी में दर्ज की गई। २४ कैरेट सोने की कीमत आज ५१,९६८ रुपये प्रति १० ग्राम रही, जबकि २३ कैरेट सोने की कीमत ५१,७६० रुपये प्रति १० ग्राम रही। इसी तरह २२ कैरेट सोने की कीमत ४६ रुपये की कमजोरी के साथ ४७,६०३ रुपये प्रति १० ग्राम, १८ कैरेट सोने की कीमत ३८ रुपये की कमजोरी के साथ ३८,९७६ रुपये प्रति १० ग्राम और १४ कैरेट सोने की कीमत ३० रुपये की कमजोरी के साथ ३०,४०१ रुपये प्रति १० ग्राम रही। चांदी की कीमत प्रति किलो १८ रुपये मजबूत हो गई। चांदी का आज का भाव ५७,३८० रुपये प्रति किलोग्राम रहा।

सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि सोने की कीमत में मामूली गिरावट के बावजूद त्योहारी सीजन की दस्तक के साथ ही इसमें तेजी आने के आसार बने हुए हैं। सोना आने वाले कुछ दिनों में ५२,३०० रुपये प्रति १० ग्राम के स्तर तक भी जा सकता है। हालांकि लंबे दौर में सोने की कीमत ५१,००० रुपये से लेकर ५२,३०० रुपये के बीच ऊपर नीचे होती रह सकती है। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के मुताबिक सोने की तरह ही चांदी में भी मामूली तेजी का रुख बन सकता है। आने वाले दिनों में चांदी की कीमत ५६,५०० रुपये से लेकर ५८,५०० रुपये के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एचडीएफसी बैंक ने सभी तरह के लोन पर ब्याज दरें बढ़ाई

नई दिल्ली: आईसीआईसीआई और पंजाब नेशनल बैंक के बाद निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने भी सभी तरह के लोन पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। एचडीएफसी बैंक ने फंड की सीमांत लागत आधारित उधार दर (एमसीएलआर) में ०.०५ से ०.१० फीसदी का इजाफा किया है। बैंक की नई दरें ८ अगस्त से लागू हो गई है।

एचडीएफसी बैंक के सोमवार को जारी बयान के मुताबिक उसके सभी अवधि के लोन के लिए एमसीएलआर में बढ़ोतरी की गई है। बैंक ने फंड की सीमांत लागत आधारित उधार दर में ०.०५ से ०.१० फीसदी का इजाफा किया है। एचडीएफसी बैंक ने आरबीआई के रेपो रेट में ०.५० फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद बैंक से होम लोन, कार लोन और ऑटो लोन लेना महंगा हो जाएगा।

इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने बाहरी बेंचमार्क उधार दर (ईबीएलआर) में ०.५० फीसदी का इजाफा किया था। इस बढ़ोतरी के बाद पीएनबी का कर्ज पर ब्याज दर ७.४० फीसदी से बढ़कर ७.९० फीसदी हो गया है। इसी तरह निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने भी आरबीआई के रेपो रेट में ०.५० फीसदी की बढ़ोतरी के बाद ईबीएलआर में इजाफा किया था।

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA) Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रेाड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र

Bhubaneswar Office: Plot-493,Sarathi Market Complex, Govinda Prasad,BomikhalBhubaneswar-10